ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 328 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
03 जून 2026 बुधवार

आज का मौसम
37.0 अधिकतम
25.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

साउथ दिल्ली का पॉश इलाका... मालवीय नगर में है फ्लोरिश स्टे होटल

होटल में आग से 21 लोग जिंदा जले, कुछ विदेशी भी, 37 को बचाया, कई अभी भी फंसे

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर में आज सुबह लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। जिस बिल्डिंग में आग लगी वो 6 मंजिल की है। इसमें फ्लोरिश स्टे होटल संचालित होता था। इसी में लेमन ग्रीन नाम से रेस्टोरेंट है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, सुबह 9.45 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। बिल्डिंग से अब तक करीब 37 लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। बेसमेंट से 3 लोगों का रेस्क्यू किया गया। कई लोगों की हालत गंभीर है, मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

हौज रानी इलाके स्थित इमारत में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा परिसर धुएं और लपटों से भर गया। घटना के समय मौजूद लोगों के अनुसार आग लगने के बाद होटल और रेस्टोरेंट में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग धुएं में फंस गए जबकि कुछ ने जान बचाने के लिए खिड़कियों और ऊपरी मंजिलों से छलांग लगा दी। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग की शुरुआत बेसमेंट में चल रहे रेस्टोरेंट से हुई। हालांकि आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और दिल्ली प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को अलर्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि सभी राहत एजेंसियों को तुरंत मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। आग इतनी भयानक थी कि बचाव अभियान में दमकल कर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा । कई लोगों को बेसमेंट और ऊपरी हिस्सों से बाहर निकाला गया। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि इमारत में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं। इस दर्दनाक हादसे के बाद एक बार फिर दिल्ली की व्यावसायिक इमारतों में फायर सेफ्टी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई रेस्टोरेंट और होटल सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

जान बचाने के लिए पांचवीं मंजिल तक से कूदे लोग होटल पर सुरक्षा नियमों की अनदेखी का आरोप

होटल की छह मंजिला इमारत में आग तेजी से फैली और पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले लिया।

छह कमरों की परमीशन थी, 25 बनाए

गंभीर बात यह सामने आ रही है कि जिस इमारत में होटल संचालित किया जा रहा था, वहां स्वीकृत क्षमता और वास्तविक निर्माण में भारी अंतर था। विभिन्न होटल लिस्टिंग और दस्तावेजों में कहीं 6 कमरे तो कहीं 25 कमरों तक का उल्लेख मिलता है, जिससे निर्माण और अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है जितनी संख्या में कमरे संचालित हो रहे थे उनकी इजाजत नहीं थी। बेसमेंट में रेस्टोरेंट छठा था लेकिन वहां भी कुछ कमरे बना लिए थे।

मैक्स अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन ठहरते थे

लेमन ग्रीन होटल दक्षिण दिल्ली के उस इलाके में स्थित था जहां बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन ठहरते थे, क्योंकि यह प्रसिद्ध अस्पतालों के नजदीक है। होटल के प्रचार और बुकिंग पोर्टलों पर भी इसे मैक्स अस्पताल साकेत के सामने या उसके पास स्थित बताया गया है। इसी वजह से कहा जा रहा है कि जिस वक्त आग लगी, वहां मैक्स अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन ठहरे हुए थे। इनमे कुछ विदेशी भी बताए गए हैं।

रेस्टोरेंट के बेसमेंट से रेस्क्यू कर लोगों को अस्पताल ले जाते राहतकर्मी।

तब के ट्रम्प और अब के ट्रम्प... दूसरी पारी शानदार या दागदार?

'मेरा कातिल ही मेरा मुंसिफ है, क्या मेरे हक में फैसला देगा।'

आज की वैश्विक राजनीति को समझने के लिए शायद इससे बेहतर पंक्तियां नहीं हो सकतीं। खासकर तब, जब दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका खुद को लोकतंत्र, शांति और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताती हो, लेकिन उसके फैसलों और प्राथमिकताओं में अक्सर दोहरे मापदंड दिखाई देते हों। डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी पारी दरअसल इसी विरोधाभास का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरी है।

विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

पहली बार राष्ट्रपति बने ट्रम्प और दूसरी बार सत्ता में लौटे ट्रम्प के बीच जमीन-आसमान का अंतर दिखाई देता है। पहले कार्यकाल में वे एक ऐसे नेता के रूप में सामने आए थे जो अमेरिकी नौकरशाही, वैश्विकतावाद और चीन समर्थक आर्थिक ढांचों को चुनौती देना चाहते थे। भारत के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मित्रता केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक दिखाई देती थी। उस दौर में अमेरिका भारतीय प्रतिभा, भारतीय निवेश और भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को अवसर के रूप में देख रहा था। लेकिन दूसरी पारी में तस्वीर बदल चुकी है।

जनवरी 2025 के बाद ट्रम्प प्रशासन के कई फैसलों ने यह संकेत दिया कि अमेरिका अब प्रतिभा और साझेदारी से अधिक नियंत्रण और वर्चस्व की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। भारतीय पेशेवरों, तकनीकी विशेषज्ञों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर अपनाया गया रुख इसी बदलाव की ओर इशारा करता है। भारत ने भी इसे समझने में देर नहीं लगाई। यही कारण है कि आज नई दिल्ली आत्मनिर्भर तकनीक, घरेलू विनिर्माण और प्रतिभा पलायन रोकने की दिशा में पहले से कहीं अधिक गंभीर दिखाई देती है।

लेकिन, ट्रम्प की दूसरी पारी की सबसे बड़ी परीक्षा पश्चिम एशिया में हुई। ईरान को लेकर जिस आक्रामक नीति का प्रदर्शन किया गया, उसने अमेरिका को एक बार फिर ऐसे संघर्ष में खड़ा कर दिया जहाँ उसके घोषित उद्देश्य और वास्तविक परिणामों के बीच भारी अंतर दिखाई देता है। सवाल यह है कि यदि परमाणु प्रसार ही सबसे बड़ी चिंता है, तो अमेरिका की कठोरता केवल ईरान के प्रति ही क्यों दिखाई देती है? पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार को लेकर वही बेचैनी क्यों नहीं दिखाई देती, जबकि पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान दशकों से चीन के साथ गहरे सामरिक संबंध बनाए हुए है और उसकी आर्थिक स्थिति बाहरी सहायता पर निर्भर रही है।

यहीं से अमेरिकी नीति के दोहरे मानदंडों पर सवाल उठते हैं। वाशिंगटन अच्छी तरह जानता है कि पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका से संबंध बनाए रखता है और दूसरी तरफ चीन को रणनीतिक पहुंच उपलब्ध कराता है। इसके बावजूद पाकिस्तान को लेकर उसका रवैया अपेक्षाकृत नरम बना रहता है। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिद्धांतों से अधिक महत्व उपयोगिता का होता है। ट्रम्प स्वयं को कई बार शांतिदूत और वैश्विक संकटों का समाधानकर्ता बताते रहे हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी दूसरी पारी में अमेरिका की साख पहले से अधिक प्रश्नों के घेरे में आई है। ईरान से लेकर यूक्रेन और एशिया-प्रशांत तक, कई मोर्चों पर अमेरिकी नेतृत्व को चुनौती मिल रही है। आज दुनिया के अनेक देशों में यह भावना दिखाई देती है कि वैश्विक व्यवस्था निष्पक्ष नहीं, बल्कि शक्तिशाली देशों के हितों के अनुरूप संचालित होती है। शायद इसी वजह से आम लोगों के मन में यह प्रश्न बार-बार उठता है कि क्या नियम सबके लिए समान हैं, या फिर कुछ देशों को नियम बनाने और तोड़ने दोनों का विशेषाधिकार प्राप्त है? आज दुनिया के अनेक देशों में यह भावना गहराती जा रही है कि वैश्विक व्यवस्था निष्पक्षता से नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन और राष्ट्रीय हितों से संचालित होती है। नियम वही बनाता है जिसके पास शक्ति होती है, और वही तय करता है कि उन्हें कब लागू करना है और कब अनदेखा करना है। ट्रम्प की दूसरी पारी का अंतिम फैसला इतिहास करेगा। लेकिन इतना स्पष्ट है कि यह कार्यकाल उनकी पहली पारी की तरह निर्विवाद नहीं रहा। यदि अमेरिका मित्रों और विरोधियों के लिए अलग-अलग मानदंड अपनाता रहेगा, तो उसकी सैन्य शक्ति भले बरकरार रहे, उसकी नैतिक नेतृत्व क्षमता लगातार कमजोर होती जाएगी। महाशक्तियां तब तक महान लगती हैं जब तक उनके फैसलों में न्याय दिखाई देता है। जब न्याय की जगह केवल हित दिखने लगें, तब ताकत तो बची रहती है, लेकिन नैतिक नेतृत्व खो जाता है।

और तब दुनिया शायद यही कहेगी...

अब क्या सुनाएं हम तुम्हें इस जगत की दास्तां,
जहां भी शेर ढूंढो, वहां मिलते हैं भेड़िए।

न्यूज विंडो

एमपीएल आज से, ग्वालियर और उज्जैन के बीच मुकाबला

इंदौर। आईपीएल की चकाचौंध खत्म होने के बाद अब इंदौर का होलकर स्टेडियम प्रदेश की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के लिए सज-धजकर तैयार है। यहां आज से मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत होगी। यह पहली बार है जब यह लीग इंदौर में खेली जा रही है, इसलिए उत्साह भी ज्यादा है। कुछ मैच डेली कालेज मैदान पर भी होंगे। लीग का प्रारंभिक मुकाबला होलकर स्टेडियम में अपनी कप्तानी में लगातार दूसरी बार रायल चैलेंजर्स बेंगलोर को चैंपियन बनाने वाले कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली ग्वालियर चीताज और पहली बार लीग में शामिल की गई उज्जैन फैल्कन्स के बीच खेला जाएगा।

दाऊद-आईएसआई मॉड्यूल का आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, पाकिस्तानी गैंगस्टर और आईएसआई के एजेंट शहजाद भट्टी और अंडरवर्ल्ड दाऊद इब्राहिम मॉड्यूल के एक और आतंकी हुफैजा को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आतंकी हुफैजा की तलाश में पिछले कई दिनों से मुंबई में सेल और मुंबई एटीएस की टीम छापेमारी कर रही थी।

आज का कार्टून

लोन डिफॉल्टरों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

एक बार समझौता होने के बाद नहीं चलाया जा सकता क्रिमिनल केस

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर बैंक और कर्जदार लोन खाते के निपटारे के लिए समझौता कर लेते हैं तो उसके बाद लोन डिफॉल्टर के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसी कार्यवाही को अनुमति देना न केवल दमनकारी होगा बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डालेगा। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने एक बिजनेसमैन की याचिका स्वीकार करते

हुए उसके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले को रद कर दिया। बेंच ने कहा कि बैंकिंग लेन-देन मूल रूप से व्यावसायिक मामला होता है। जब दोनों पक्ष आपसी समझौते से विवाद सुलझा लेते हैं तो बाद में आपराधिक केस चलाना अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

खतरे में पड़ता सीजफायर: अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आइलैंड को निशाना बनाया

ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका और इर्रान के बीच युद्ध विराम समझौते की बातचीत के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने आज दावा किया है कि उसने कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान के मुताबिक, अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय, सैन्य एयरबेस और हेलीकॉप्टरों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए गए। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन दावों को खारिज किया है। एक्स पर पोस्ट में कहा गया है कि ईरान ने क्षेत्र के कई देशों की दिशा में बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, लेकिन सभी हमले नाकाम रहे। अमेरिका के अनुसार, कुवैत की तरफ दागी गई दो मिसाइलें या तो अपने लक्ष्य से भटक गईं या रास्ते में ही नष्ट हो गईं। वहीं बहरीन की ओर दागी गई तीन मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन की एयर डिफेंस प्रणालियों ने मार गिराया। इस बीच अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के केश्म आइलैंड पर मौजूद एक कम्युनिकेशन टावर को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला आत्मरक्षा के तहत किया गया। इसके अलावा अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास एक ऑयल टैंकर पर भी हमला किया। सेंटकॉम ने इस कार्रवाई का ड्रोन वीडियो जारी किया है, जिसमें बोत्सवाना के झंडे वाला टैंकर आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी नाकेबंदी के दौरान निशाना बना यह टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से होकर ईरान के खार्ग आइलैंड की तरफ जा रहा था। भारत में ईरान के दूतावास ने एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय और अमेरिकी सेना के एयर व हेलिकॉप्टर बेस के खिलाफ यह हमला कानूनी आत्मरक्षा में किया गया जवाब था।

मेट्रो एंकर ऐसे मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं जिसके पास खुद का फोन तक नहीं था

अमेरिका ने कानपुर के संजय को नकारा था, अब सिलिकॉन वैली के किंग

सैफ्रांसिस्को, एजेंसी

साल 1976 में कानपुर में जन्मे और बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग कर रहे एक छात्र को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने लगातार तीसरी बार स्टूडेंट वीजा देने से मना कर दिया। उनके साथ आए पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने तय किया कि वे अधिकारी से मिलकर पूछेंगे कि तीन-तीन विश्वविद्यालयों से कन्फर्म एडमिशन और पूरे दस्तावेज होने के बावजूद उनके बेटे का वीजा क्यों रिजेक्ट किया जा रहा है। पिता की यह जिद काम कर गई और आखिरकार वीजा मिल गया।

करीब आधी सदी बाद वही छात्र आज मेमोरी-चिप क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सीईओ है। इनका नाम संजय मेहरोत्रा है। वॉल स्ट्रीट पर छाई एआई की आंधी के दम पर माइक्रोन ने 1 ट्रिलियन डॉलर (95.71 लाख करोड़ रुपये) के मार्केट कैप के आंकड़े को पार कर लिया। इसके साथ ही माइक्रोन, वॉलमार्ट,

बर्कशायर हैथवे और जेपी मॉर्गन चेस जैसे कद्दावर दिग्गजों को पीछे छोड़कर अमेरिका की टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई है। सिलिकॉन वैली की यह सबसे अनोखी कहानियों में से एक है। जिस लड़के को अमेरिका ने बार-बार ठुकराया, आज वही देश की सबसे रणनीतिक और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी कंपनी की कमान संभाल रहा है।

संजय मेहरोत्रा कानपुर के एक ऐसे मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं जिसके पास खुद का फोन तक नहीं था। अमेरिका में पढ़ाई के शुरुआती दिनों में वे माता-पिता से बात करने के लिए पड़ोसी का फोन इस्तेमाल करते थे। पड़ोसी को फोन करने के बाद उनके माता-पिता को बुलाने भेजा जाता था। मेहरोत्रा की उपलब्धि पूरी तरह औद्योगिक और कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। मेमोरी चिप का बिजनेस काफी उतार-चढ़ाव वाला और भारी पूंजी निवेश की मांग करने वाला क्षेत्र है, जिस पर ऐतिहासिक रूप से सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसे एशियाई दिग्गजों का दबदबा रहा है। जब मेहरोत्रा ने साल 2017 में माइक्रोन के सीईओ का पद संभाला, तब कंपनी की वैल्यूएशन महज 20 अरब डॉलर थी। आज डेटा सेंटर्स को पावर देने वाली हाई-बैंडविड्थ मेमोरी चिप्स की एआई-ड्रिवन मांग के चलते माइक्रोन ट्रिलियन-डॉलर क्लब में पहुंच चुकी है।

कॉर्पोरेट अमेरिका में देसी दबदबा: संजय मेहरोत्रा अकेले नहीं हैं। उनकी इस कामयाबी ने कॉर्पोरेट अमेरिका के शीर्ष पर भारतीय मूल के दिग्गजों की एक असाधारण तिकड़ी को पूरा कर दिया है। दुनिया की तीन सबसे मूल्यवान टेक्नोलॉजी कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट (सत्या नडेला), अल्फाबेट (सुंदर पिचाई) और माइक्रोन (संजय मेहरोत्रा) अब भारतीय मूल के उन अधिकारियों द्वारा चलाई जा रही हैं, जो कभी मिडिल क्लास परिवारों से एक साधारण इंजीनियर के रूप में, माता-पिता के त्याग और कुछ कर गुजरने की ललक के साथ अमेरिका पहुंचे थे।

माइक्रोन का भारत में बड़ा दांव

सिंगापुर, ताइवान, जापान, चीन और मलेशिया में पैर पसारने के बाद माइक्रोन अब भारत में बड़ा निवेश कर रही है। कंपनी गुजरात के साणंद में 2.75 अरब डॉलर की लागत से एक विशाल असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग फैसिलिटी तैयार कर रही है, जिसमें माइक्रोन खुद 800 मिलियन डॉलर से अधिक की पूंजी लगा रही है। यह प्लांट 5 लाख वर्ग फुट के स्पेस के साथ दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-फ्लोर असेंबली और टेस्ट क्लीनरूम्स में से एक होगा। इसके जरिए भारत खुद को सॉफ्टवेयर-सर्विसेज के बैक ऑफिस से बदलकर हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की रेस में शामिल हो गया है।

यात्री सुविधा का दावा करने वाली रेलवे का अमानवीय चेहरा, 80 साल की वृद्धा को दी ऊपर की बर्थ

बुजुर्गों को किराए में छूट तो छोड़िये, नीचे की बर्थ भी नहीं दे पा रही भारतीय रेल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इसे भारतीय रेल की संवेदनहीनता कहें या अमानवीय क्रूरता। एक तरफ रेलवे ने कोरोना काल के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली किराया रियायत बंद कर दी और छह साल बाद भी उसे बहाल नहीं किया, दूसरी तरफ अब बुजुर्ग यात्रियों को निचली बर्थ तक उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। सवाल यह है कि जब वरिष्ठ नागरिक पूरा किराया चुका रहे हैं, तब भी उन्हें सम्मानजनक और सुरक्षित यात्रा का अधिकार क्यों नहीं मिल पा रहा?

ताजा मामला भोपाल की 80 वर्षीय गिरजा कौशिक का है। उन्होंने अपनी बेटी आरती के साथ 21 जून 2026 को हमसफर एक्सप्रेस से पुणे से रानी कमलापति स्टेशन तक यात्रा के लिए आरक्षण कराया है। पीएनआर नंबर 8349229484 के अनुसार उन्हें बी-11 कोच में बर्थ नंबर 30 आवंटित हुई है, जो ऊपरी बर्थ है। हैरानी की बात यह है कि रेलवे की आरक्षण प्रणाली ने यह भी नहीं सोचा कि 80 वर्ष की वृद्ध महिला आखिर ऊपर की बर्थ पर चढ़कर यात्रा कैसे करेगी।

यह कोई पहला मामला नहीं है। आए दिन वरिष्ठ नागरिक शिकायत करते हैं कि आरक्षण के दौरान लोअर बर्थ का विकल्प चुनने के बावजूद उन्हें मिडिल या अपर बर्थ दे दी जाती है। रेलवे की ओर से लोअर बर्थ कोटा होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में बड़ी संख्या में बुजुर्ग

यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय रेल की कुल सकल आय 2024-25 में लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही और जिसने हजारों करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया , वह वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक प्रभावी बर्थ आवंटन व्यवस्था विकसित नहीं कर पा रही है। देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकारी अनुमानों के अनुसार भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 15 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है और आने वाले वर्षों में यह तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में रेलवे जैसी सार्वजनिक सेवा से अपेक्षा की जाती है कि वह बुजुर्गों की जरूरतों को प्राथमिकता दे।

कोरोना महामारी के दौरान रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली किराया रियायत बंद की थी। पहले पुरुष वरिष्ठ नागरिकों को 40 प्रतिशत और महिलाओं को 50 प्रतिशत तक की छूट मिलती थी। बाद में सरकार ने इसे बहाल करने से इनकार कर दिया। संसद में सरकार ने बताया कि फिलहाल वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से रियायत देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) से सामने आए आंकड़ों के अनुसार, वरिष्ठ नागरिक रियायत बंद रहने से रेलवे को चार वर्षों में लगभग 5,800 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। यानी जिन बुजुर्गों को पहले रियायती किराए पर यात्रा की सुविधा मिलती थी, अब उनसे पूरा किराया वसूला जा रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब रेलवे बुजुर्गों से पूरा किराया ले रहा है, तो क्या वह इतना भी नहीं कर सकता कि 75 या 80 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों को अनिवार्य रूप से निचली बर्थ उपलब्ध कराए? आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में यह कोई असंभव काम नहीं है। रेलवे चाहे तो आरक्षण सॉफ्टवेयर में ऐसा प्रावधान कर सकता है कि अत्यधिक आयु वाले यात्रियों को प्राथमिकता के आधार पर लोअर बर्थ आवंटित हो।

गिरजा कौशिक का मामला केवल एक यात्री की परेशानी नहीं है। यह उस व्यवस्था पर सवाल है जो करोड़ों रुपये की कमाई तो कर रही है, लेकिन अपने सबसे कमजोर और सम्मान के पात्र नागरिकों के लिए न्यूनतम मानवीय संवेदनाएं भी सुनिश्चित नहीं कर पा रही। यदि भारतीय रेल वास्तव में यात्री सुविधा के अपने दावों पर खरी उतरना चाहती है, तो उसे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति अपना रवैया बदलना होगा। वरना विकास और आधुनिकीकरण के तमाम दावों के बीच यह सवाल लगातार उठता रहेगा कि आखिर बुजुर्ग यात्रियों की गरिमा और सुविधा की कीमत पर रेलवे कितना पैसा बचाना चाहता है।

आंकड़ों में भारतीय रेल

2024-25 में भारतीय रेल की कुल सकल आय
लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपये।
2024-25 में दर्ज फायदा
करीब 2,660 करोड़ रुपये।
यात्री टिकटों से आय
लगभग 75,500 करोड़ रुपये।

बुजुर्गों के साथ क्या हो रहा है?

कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिक किराया रियायत बंद की गई जो आज तक यह सुविधा बहाल नहीं हुई। आरटीआई के अनुसार चार वर्षों में रियायत बंद रहने से रेलवे को लगभग 5,800 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। देश में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 15 करोड़ से अधिक आंकी जा रही है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में बुजुर्ग यात्रियों को लोअर बर्थ नहीं मिल पाती। सवाल यह है कि पूरा किराया लेने वाली रेलवे क्या बुजुर्ग यात्रियों के लिए निचली बर्थ की गारंटी नहीं दे सकती?

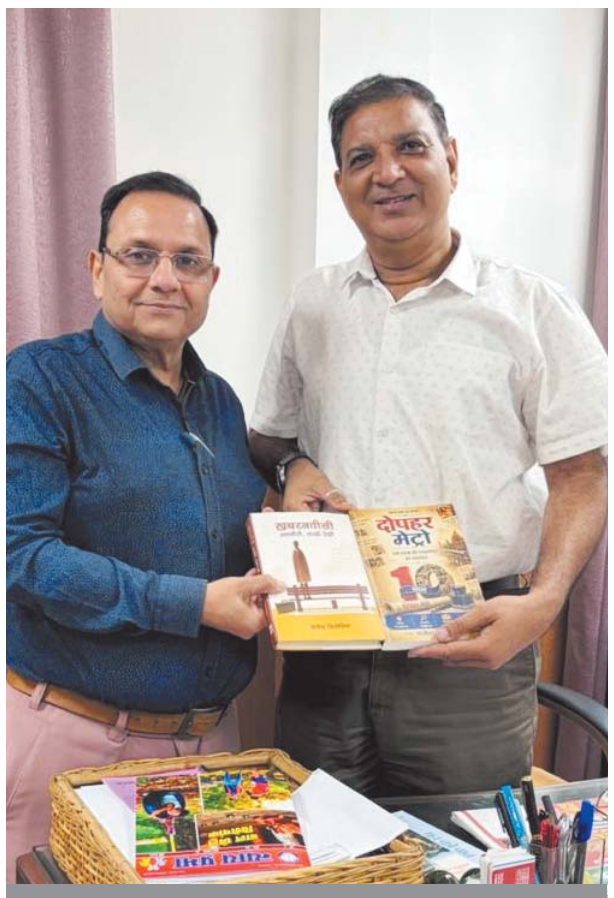

राजेश सिरोठिया ने पीआईबी निदेशक को भेंट की अपनी पुस्तकें

भोपाल। पत्रकार राजेश सिरोठिया ने प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के निदेशक मनीष गौतम को अपनी नवीनतम पुस्तक दोपहर मेट्रो - एक दशक की पत्रकारिता का दस्तावेज और 2018 में प्रकाशित तीन दशक की पत्रकारिता पर केंद्रित किताब खबरनवीसी-आपबीती, आंखों देखी भेंट की। श्री गौतम ने दोनों पुस्तकों को श्री सिरोठिया के चार दशक की पत्रकारिता के अनुभवों को देश विदेश और प्रदेशों के महत्वपूर्ण घटनाक्रम के छुए अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालने वाला उपयोगी दस्तावेज़ बताया। गौरतलब है कि भोपाल के इंद्रा पब्लिकेशन और दिल्ली के सामयिक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित दोनों पुस्तकें अमेजॉन और फिलपकार्ट पर ऑनलाइन खरीदी के लिए उपलब्ध हैं।

शिव नगर में सीवेज संकट गहराया, गंदे पानी से परेशान रहवासी

भोपाल। राजधानी भोपाल के शिव नगर क्षेत्र में सीवेज व्यवस्था की बदहाली ने स्थानीय रहवासियों का जीवन मुश्किल बना दिया है। क्षेत्र में लंबे समय से सीवेज लाइन की समस्या बनी हुई है, जिसके कारण सड़कों पर गंदा और बदबूदार पानी जमा रहता है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को घरों से निकलने तक में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। सीवेज का पानी सड़कों पर बहने से राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।

सड़क धंसी तो मिनटों में मंत्री और अफसरों तक पहुंचेगा अलर्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र में सड़क और पुल परियोजनाओं की निगरानी के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) 1 जुलाई से रियल-टाइम इंसीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) लागू करेगा। इसके तहत सड़क दुर्घटना, सड़क धंसने या पुल को नुकसान पहुंचने जैसी घटनाओं की सूचना कुछ ही मिनटों में मंत्री कार्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच जाएगी।

विभागीय मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 1 और 2 जून को महाराष्ट्र और गुजरात का अध्ययन दौरा किया। इसके बाद इस व्यवस्था को लागू करने का निर्णय लिया गया। इस प्रणाली के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना संस्थान (बाईसेग) विशेष मोबाइल एप तैयार कर रहा है। इसका ट्रायल संस्करण 20 जून तक तैयार होगा। निर्माण स्थल पर तैनात इंजीनियर घटना की फोटो और विवरण सीधे ऐप पर अपलोड कर सकेंगे। जीपीएस के जरिए लोकेशन स्वतः दर्ज होगी। पूरी व्यवस्था की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करेंगे।

फांसी पर झूला नगर निगम का सफाई कर्मी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गांधी नगर में नगर निगम के एक सफाई कर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। लेकिन, प्रारंभिक जांच में नशे के कारण पारिवारिक कलह की बात पता चली है। पुलिस के अनुसार यह घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात लगभग दो बजे गौंड बस्ती में हुई थी। मृतक 40 वर्षीय महेश गोदाना है जो कि नगर निगम में काम करता है। पत्नी भी निगम में काम करती है। दंपति अस्थायी कर्मचारी है। घटना के वक्त पत्नी मायके गई हुई थी।

रक्षाबंधन पर बहनें करेंगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन की बसों में सफर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य परिवहन सामान्य जन के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्य सरकार न सिर्फ प्रदेश में बेहतर और आधुनिक सड़कों का तेजी से निर्माण कर रही है, बल्कि चरणबद्ध तरीके से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की ओर बढ़ रही है। इस बार रक्षाबंधन पर हमारी बहनें परिवहन विभाग की बसों में सफर करें, इसके लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति के कारण शहरों के बीच दूरी अधिक है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा सभी समस्याओं को खत्म कर जनता का आवागमन सुगम बनाएगी।

जल्द ही नागरिकों को राज्य परिवहन की विशेष सुविधा भी देने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी विधानसभा में मीडिया से चर्चा में दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उम्मीद है कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों और पड़ोसी राज्यों के साथ मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास सुगम परिवहन सेवा के प्रभावी रूप में देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अर्पित की पुष्पांजलि की अर्पित

स्व. बाबूलाल गौर ने जनहितैषी कार्यों से बनाई थी दिलों में जगह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्व. बाबूलाल गौर ऐसे राजनेता रहे, जिन्होंने अपने जनहितैषी कार्यों से लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वे सदैव हमारे लिए आशीर्वाददाता की भूमिका में रहे और रहेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर मप्र विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. बाबूलाल गौर ने अपने राजनीतिक जीवन में विभिन्न जनआंदोलनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, कृष्णा गौर, भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

साकेत नगर में स्व. गौर की प्रतिमा का अनावरण: पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की जयंती पर भेल कॉलेज में चिकित्सा शिविर और साकेत नगर स्थित बाबूलाल गौर पार्क में राज्य सरकार की मंत्री, विधायक एवं स्व. गौर की पुत्रवधु कृष्णा गौर ने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी का संपूर्ण जीवन जनसेवा और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित रहा।

श्रीमद्भागवत कथा का छठवां दिन

रुक्मिणी-कृष्ण विवाह की झांकी ने मोहा श्रद्धालुओं का मन : कुलदीप

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के षष्ठम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी के मंगल विवाह की आकर्षक एवं मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। विवाह उत्सव के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर भी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। भाजपा स्वागत समिति के प्रमुख कुलदीप खरे ने कहा कि हमें सदैव अपने धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदू भले ही अलग-अलग जातियों एवं समुदायों से जुड़े हों, लेकिन हमारा धर्म केवल एक है-सनातन धर्म।

पूर्व विधायक जितेंद्र डागा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा हमें कर्मप्रधान जीवन का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि केवल बातें करने से नहीं, बल्कि अपने आचरण एवं कार्यों से समाज और धर्म की सेवा करनी चाहिए। भागवत हमें बोलने से अधिक कर्म में विश्वास करना सिखाती है।

आयोजक आनंद सबधाणी ने सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी का सम्मान किया तथा अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी और सिंधी दोनों भाषाएं भारतीय संस्कृति और परंपरा की वाहक हैं तथा समाज को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। इस अवसर पर हीरो हिंदू ने कथावाचिका साध्वी मंजरी प्रिया जी का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। कथा व्यास साध्वी मंजरी प्रिया जी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनाया। संस्था के कोषाध्यक्ष हरचंद ग्वालानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा में हीरो हिंदू, मनजीत यादव, प्रताप, खानचंद, पहलाज, दुर्गा, तोलाराम, डॉ. माधव, अर्जुन वाधवानी, परी, जैस्मिन, जमना, ज्योति, जया, रेनू, दीपिका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर — जनसुनवाई में दिक्कतों को लेकर लोगों ने लगाई गुहार

बहू-बेटे की प्रताड़ना से तंग न्याय के लिए सरकार की चौखट पर मां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

81 वर्षीय त्रिवेणी बाई गुप्ता मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंची। जब वह कलेक्टर के समक्ष पहुंची। हाथ कांप रहे थे। गला रुंधा हुआ था। आंखें नम थीं। बोली कि मुझे न्याय दिला दीजिए। न्याय में मुझे दो वक्त की रोटी और दो मीठे बोल चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बड़ी गंभीरता से मामले को सुना। बुजुर्ग महिला त्रिवेणी ने कहा कि मेरा बेटा और बहू भरण पोषण तक नहीं कर रहे। अच्छे से बोलते भी नहीं हैं। यही नहीं मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का भी सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि गाली सहन करनी पड़ रही है। हालात ये हैं कि अपने ही घर से दूर रहने को मजबूर होना पड़ा है। उन्होने बताया की वे अपनी जरूरत

के लिए अपनी बेटी पर निर्भर हैं। अब उन्हें इस बात का भी डर सता रहा है कि कहीं उनकी जीवनभर की कमाई और आशियाने पर कोई कब्जा न कर ले। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई।

फर्जी दस्तावेज से जमीन पर कब्जा करने का प्रयास: एक अन्य शिकायतकर्ता ने भूमि सीमांकन प्रकरण में फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वे तीन बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। जनसुनवाई में पहुंचे कई लोगों की शिकायत एक जैसी थी-बार-बार आवेदन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। कोई अपनी जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहा है, तो कोई अपने घर और सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रशासन से लोगों को उम्मीद है कि उनकी फरियाद सिर्फ फाइलों तक सीमित न रह जाए, बल्कि उन्हें समय पर न्याय भी मिले।

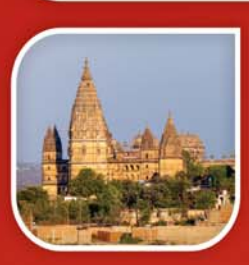

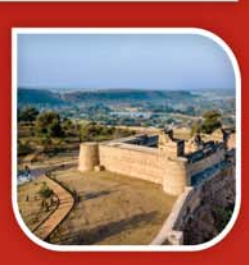

मध्यप्रदेश में पर्यटन का
नया अध्याय
पीएमश्री
हेली पर्यटन सेवा
तेज, सुरक्षित और यादगार
यात्रा का अनूठा अनुभव
WELCOME TO THE CITY OF LAKES
भोपाल
झीलों की नगरी, मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल आधुनिक शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत का केन्द्र
ओरछा
यहां भगवान राम स्वयं इस नगर के राजा के रूप में विराजे हैं
चंदेरी
प्राचीन किलों और हथकरघा चंदेरी साड़ियों के लिए विश्व प्रसिद्ध
जबलपुर
भेड़ाघाट की संगमरमर की घाटी, धुआंधार जलप्रपात और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय अनुभव
मैहर
चित्रकूट पर्वत पर स्थित माँ शारदा देवी मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र
चित्रकूट
भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़ा, आध्यात्मिक महत्व का अद्भुत स्थल
बांधवगढ़ नेशनल पार्क
सबसे अधिक संख्या में बाघों की उपस्थिति। प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक पर्यटन का अद्वितीय स्थल
कान्हा नेशनल पार्क
सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिज़र्व समृद्ध वन्यजीव और जैवविविधता का गढ़
इंदौर
मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी होने के साथ-साथ स्वच्छता का सिरमौर इंदौर अपने राजवाड़ा सराफा और आधुनिक जीवन के लिए प्रसिद्ध है
उज्जैन
भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और सिंहस्थ कुंभ जैसे विशाल आध्यात्मिक आयोजन के लिए विश्वविख्यात
ओंकारेश्वर
ज्योतिर्लिंग के दिव्य दर्शन और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव
आध्यात्मिक सर्किट
इंदौर - उज्जैन - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹30,000
इंदौर - उज्जैन - इंदौर ₹14,500
इंदौर - ओंकारेश्वर - इंदौर ₹18,000
हेरिटेज सर्किट
भोपाल से चंदेरी ₹5,500
चंदेरी से ओरछा ₹2,750
भोपाल से ओरछा ₹6,500
जॉय राइड ₹3,500
भोपाल - ओरछा - भोपाल (विशेष पैकेज) ₹14,500
वाइल्डलाइफ एवं आस्था सर्किट
जबलपुर - मैहर ₹5,000
जबलपुर - बांधवगढ़ ₹6,500
जबलपुर - चित्रकूट ₹7,500
जबलपुर - कान्हा ₹6,000
मैहर - चित्रकूट ₹5,000
बांधवगढ़ - कान्हा ₹7,000
चित्रकूट
ओरछा
मैहर
उज्जैन
चंदेरी
जबलपुर
बांधवगढ़
भोपाल
इंदौर
कान्हा
ओंकारेश्वर
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
एक संपूर्ण यात्रा पैकेज
• गंतव्य स्थल पर ठहरने की व्यवस्था से लेकर भोजन, स्थानीय टैक्सी तक हर सुविधा का पैकेज
• मंदिर दर्शन की पूर्व निर्धारित व्यवस्था, पर्यटन अनुभव को और खास बनाने के लिए गाइड
• हेलीपैड तक पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा
बुकिंग | www.flyola.in
air.irctc.co.in/flyola
www.transbharat.in
D-11026/26

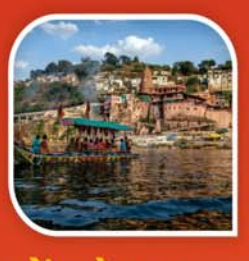

कूटनीति का भूगोल

इतिहास गवाह है कि साम्राज्य तलवारों से जितने नहीं बदले, उससे कहीं अधिक व्यापारिक मार्गों, समुद्री रास्तों और संसाधनों के नए स्रोतों ने दुनिया की दिशा बदली है। आज जब पश्चिम एशिया की धरती बारूद की गंध से भरी हुई है और महाशक्तियां अपने-अपने प्रभाव क्षेत्रों को बचाने की जद्दोजहद में लगी हैं, तब भारत चुपचाप एक नया नक्शा बना रहा है-ऐसा नक्शा जिसमें राष्ट्रीय हित किसी एक ध्रुव से नहीं, बल्कि पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं। हाल के दिनों में दक्षिण अमेरिका के देशों के साथ भारत की बढ़ती सक्रियता केवल राजनयिक गतिविधि नहीं है। यह उस नई सोच का प्रतिबिंब है जिसमें भारत बदलती वैश्विक परिस्थितियों को अवसर में बदलने की कोशिश कर रहा है। एक ओर ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती है, तो दूसरी ओर भविष्य की तकनीकों के लिए जरूरी खनिज संसाधनों की दौड़। इन दोनों मोर्चों पर दक्षिण अमेरिका भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभरता दिखाई दे रहा है। वेनेजुएला के साथ बढ़ते संपर्कों को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। दुनिया के विशालतम तेल भंडारों में शामिल यह देश आज वैश्विक राजनीति के कई उतार-चढ़ावों का केंद्र बना हुआ है। लेकिन भारत के लिए इसका महत्व किसी राजनीतिक खेमेबंदी से अधिक ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा है। जब वैश्विक संकट तेल बाजारों को अस्थिर बना रहे हों, तब हर वैकल्पिक स्रोत राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। भारत की कोशिश यही है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को किसी एक क्षेत्र की परिस्थितियों पर निर्भर न रहने दे। दूसरी तरफ चिली जैसे देश भारत के भविष्य की औद्योगिक क्रांति से जुड़े हुए हैं। जिस प्रकार बीसवीं सदी में तेल विकास का आधार बना था, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में क्रिटिकल मिनरल्स आर्थिक शक्ति का नया पैमाना बन रहे हैं। बैटरियों से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर तक, आधुनिक दुनिया की पूरी संरचना इन खनिजों पर आधारित है। ऐसे में भारत का उन देशों के साथ सहयोग बढ़ाना, जहां इन संसाधनों की प्रचुरता है, केवल आर्थिक निर्णय नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत अब वैश्विक दबावों के बीच अपने विकल्प सीमित नहीं कर रहा। वह रूस से भी संवाद बनाए हुए है, अमेरिका से भी संबंध मजबूत कर रहा है और साथ ही नए साझेदारों की तलाश भी जारी रखे हुए है।

विश्व साइकिल दिवस पर विशेष

लकड़ी के पहियों से आधुनिक फिटनेस तक का प्रेरणादायक सफर

डॉ सुनील पांडेय
एमपीटी (ऑर्थोपेडिक) दीर्घायु फिजियोथैरेपी क्लिनिक

हर वर्ष 3 जून को विश्वभर में 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त यह दिवस केवल एक परिवहन साधन का उत्सव नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। दो पहियों पर चलने वाली यह सरल सवारी आज भी दुनिया के सबसे किफायती, पर्यावरण-अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक साधनों में से एक मानी जाती है। आज जब मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और तनाव जैसी जीवनशैली संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे समय में साइकिलिंग एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी व्यायाम के रूप में सामने आती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ नियमित साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

साइकिल का इतिहास लगभग दो शताब्दियों पुराना है। वर्ष 1817 में जर्मनी के बैरन कार्ल वॉन ड्रेइस ने लकड़ी से बनी दो पहियों वाली एक मशीन का निर्माण किया, जिसे पैरों के सहारे चलाया जाता था। इसमें पैडल नहीं थे, फिर भी इसे आधुनिक साइकिल का प्रारंभिक रूप माना जाता है। 1860 के दशक में फ्रांस में पहली बार पैडल जोड़े गए और बाद में धातु के पहियों का उपयोग शुरू हुआ। हालांकि उस समय की सड़कों पर इसे चलाना काफी कठिन था, इसलिए इसे 'बोनशेकर' कहा जाता था। वर्ष 1885 में जॉन केम्प स्टार्ली द्वारा विकसित 'सेफ्टी बाइसिकल' ने आधुनिक साइकिल की नींव रखी। इसके बाद 1888 में जॉन बॉयड डनलप द्वारा वायुभरे टायरों का आविष्कार साइकिलिंग की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया।

आज की आधुनिक साइकिलें तकनीक, आराम और सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत विकसित हो चुकी हैं, लेकिन उनका मूल उद्देश्य वही है, स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देना। हृदय और फेफड़ों के लिए वरदान। साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट 'लो-इम्पैक्ट एरोबिक व्यायाम' माना जाता है। नियमित साइकिलिंग से हृदय की कार्यक्षमता बेहतर होती है, रक्त संचार में सुधार होता है तथा शरीर की ऑक्सीजन उपयोग करने की क्षमता बढ़ती है। साइकिल चलाते समय हृदय और फेफड़े अधिक सक्रिय होकर कार्य करते हैं, जिससे शरीर के प्रत्येक अंग तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं। नियमित शारीरिक गतिविधि हृदय रोगों, उच्च रक्तचाप और कई अन्य जीवनशैली संबंधी रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक मानी जाती है।

दौड़ने की तुलना में साइकिलिंग एक कम झटका (Low Impact) देने वाला व्यायाम है। इससे घुटनों, टखनों और कूल्हों पर अपेक्षाकृत कम दबाव पड़ता है। साइकिल चलाने के दौरान काफ मसल्स (पिंडली), क्वाड्रिसेप्स, हैमस्ट्रिंग्स और ग्लूटियल मांसपेशियां सक्रिय रूप से कार्य करती हैं। इससे न केवल मांसपेशियों की शक्ति बढ़ती है, बल्कि शरीर का संतुलन और सहनशक्ति भी बेहतर होती है। नियमित साइकिलिंग कैलोरी खर्च करने का प्रभावी माध्यम है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखती है और वजन नियंत्रण में मदद करती है। इसके साथ ही शारीरिक गतिविधि के दौरान शरीर में एंडोर्फिन जैसे 'फील-गुड हार्मोन' का स्राव बढ़ता है, जिससे तनाव, चिंता और मानसिक थकान में कमी आती है।

साइकिल चलाते समय कुछ बातों का ध्यान भी रखना चाहिए। हमेशा प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करें। रात के समय रिफ्लेक्टर और लाइट अवश्य लगाएं। सीट की ऊंचाई ऐसी रखें कि पैडल मारते समय घुटना हल्का मुड़ा रहे। गलत पोस्चर से घुटनों और कमर में दर्द हो सकता है।

यदि लंबे समय से साइकिल नहीं चलाई है तो शुरुआत 15-20 मिनट से करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं। साइकिलिंग के दौरान शरीर से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है, इसलिए हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आपको गंभीर हृदय रोग, घुटनों की उन्नत समस्या या रीढ़ संबंधी कोई गंभीर बीमारी है तो साइकिलिंग शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें। विश्व साइकिल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमेशा महंगे साधनों की आवश्यकता नहीं होती। एक साधारण साइकिल भी हमें फिट, सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।आइए इस विश्व साइकिल दिवस पर संकल्प लें कि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए साइकिल को प्राथमिकता देंगे। यह कदम न केवल हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा, बल्कि प्रदूषण कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

'साइकिल चलाइए, स्वास्थ्य बढ़ाइए और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण बचाइए।'

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

युवा व उभरते खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग से मिल रहे बड़े अवसर

मृत्युंजय दीक्षित
स्तंभकार

क्रिकेट के आईपीएल टी-20 का तूफान अगले सत्र तक के लिए शांत हो चुका है लेकिन 2026 आईपीएल की गहन समीक्षा जारी है। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू ने अपने गेंदबाज़ों और बल्लेबाज़ों के करिश्माई प्रदर्शन के चलते खिताब बचाने में सफलता प्राप्त की और लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी उठाई। एक बार फिर विराट कोहली जीत के नायक बने। आईपीएल-2026 में विराट ने अपने प्रदर्शन से उन आलोचकों को करारा उत्तर दिया जिन्होंने विराट को कई फॉर्मेट से संन्यास लेने के लिए मजबूर किया। विराट ने खेल के मैदान में एक बार फिर जता दिया कि लक्ष्य का पीछा करने में अभी भी उनका कोई सानी नहीं है और आज भी खेल की ऐसी स्थितियों के सबसे बड़े महारथी हैं। आईपीएल के फाइनल में विराट एक छोर पर डटे रहे और 42 गेंदों में 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिताने में सफल रहे। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस को अपने ही मैदान में निराश होना पड़ा।

आईपीएल-2026 कई कीर्तिमानों व रोचक पलों के लिए याद किया जाएगा। आईपीएल- 2026 में कुछ नए सितारों का उदय हुआ, कुछ पुराने खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

वैभव रघुवंशी: बल्लेबाजी में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव रघुवंशी ने अपने पहले ही पूरे सत्र में बेहद आक्रामक व तूफानी बल्लेबाजी से सभी को सम्मोहित करने मे सफलता प्राप्त की। सत्र की समाप्ति तक वैभव भारत के दुलारे बन गए। वैभव दो बार शतक के बेहद करीब आकर भी शतक बनाने से चूक गए नहीं तो एक यह रिकार्ड भी उनके नाम हो जाता। वैभव अपने पहले ही सत्र में ऑरेंज कैप अवार्ड जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव ने आईपीएल-2026 में सबसे अधिक 776 रन बनाए और छक्कों के मामलों में वेस्टइंडीज के तूफानी क्रिस गेल का 14 साल पुराना 59 छक्कों का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए कुल 63 चौके और 72 छक्के लगाए। वैभव ने 16 मैचों की 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। इनमें एक शतक तथा 5 अर्धशतक शामिल हैं।

दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल रहे जिन्होंने 732 रन बनाए और तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के ही बल्लेबाज साई सुदर्शन रहे जिन्होंने 722 रन बनाए और आईपीएल -2026 में चमकदार बल्लेबाज बनकर उभरे। साई सुदर्शन भी क्रिकेट प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे। क्रिकेट कमेंटर्स, समीक्षक तथा विश्लेषकों ने साई के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह आने वाले समय में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

आईपीएल से उभरे नए खिलाड़ियों में वैभव के लिए भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल होने का द्वार खुल गया है। वैभव को भारत-ए की टीम मे शामिल कर लिया गया है और उनका पहला विदेशी दौरा श्रीलंका की धरती से शुरू होगा जहां त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जानी है। वैभव का नाम सितंबर-अक्टूबर में जापान मे आयोजित होने जा रहे एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में भी शामिल किया गया है। वैभव की अग्निपरीक्षा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका के मैदानों पर होगी क्योंकि इन देशों की पिचें काफी तेज मानी जाती हैं।

वैभव, शुभमन और साईं के अलावा यशस्वी जायसवाल, राजस्थान के रियान पराग आदि ने भी अच्छा प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया।

गेंदबाज़ी: भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बंगलुरू के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सर्वाधिक 28 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे और अपनी फिटनेस को साबित किया दूसरे नंबर पर ज्योफ्रा आर्चर रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए 25 विकेट लिए। इस लिहाज से देखें तो आईपीएल-2026 नए गेंदबाजों को तलाशने में नाकाम रहा। इस बार बल्लेबाज ही पूरे सत्र में छाए रहे। हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों के लिए यह सीजन बुरे सपने जैसा रहा।

नाम बड़े दर्शन छोटे: आईपीएल सीजन- 2026 में 10 महंगे खिलाड़ी लगभग 125 करोड़ में बिके लेकिन ये नाम बड़े और दर्शन छोटे की कहावत सिद्ध करने में लगे रहे। कोलकाता के कैमरून ग्रीन, चेन्नई के कार्तिक शर्मा, चेन्नई के ही प्रशांत वीर, राजस्थान के रवि विश्वनोई, दिल्ली के आकिब अली, लखनऊ के जोस इंग्लिस, हैदराबाद के लिविंगस्टोन आदि खिलाड़ी पूरी तरह से नाकाम रहे।

आईपीएल-2026 में किसी भी टीम का कप्तान अपने घरेलू मैदानों पर अपने मन की पिच नही बनवा सका और न ही विजय प्राप्त कर सका। फाइनल मुकाबले में भी यह देखने को मिला, जहां अहमदाबाद में गुजरात को अपने ही स्टेडियम में हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ की टीम भी अपने ही मैदान में हारती चली गई। आईपीएल-2026 क्रिकेट प्रेमियों को कई यादगार अनुभव देकर विदा हुआ है, यह वैभव के साथ-साथ दूसरी उभरती प्रतिभाओं के लिए मार्ग खोल कर विदा हुआ है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

मेनोपॉज के बाद हॉट फ़्लैश और हार्ट अटैक के लक्षणों को समझना जरूरी

40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के शरीर में अक्सर ऐसे बदलाव होते हैं जो कभी-कभी भ्रमित करने वाले या चिंताजनक भी हो सकते हैं। सबसे आम चिंताओं में से एक है मेनोपॉज से संबंधित हॉट फ्लैशेस और हार्ट अटैक के लक्षणों के फर्क को न समझ पाना। दोनों ही स्थितियों में पसीना आना, सीने में बेचैनी, घबराहट और अचानक गर्मी महसूस होना शामिल हो सकता है, इसलिए कई महिलाएं कन्फ्यूज हो जाती हैं। हॉट फ्लैशेस और हार्ट अटैक के अंतर को समझना जरूरी है, क्योंकि दिल के दौरे को देर से पहचानना खतरनाक हो सकता है।

हॉट फ्लैश यानी अचानक गर्मी लगना और पसीना आना। मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को अचानक गर्मी लगती है और बहुत पसीना आता है। लेकिन थोड़ी देर में सब नॉर्मल हो जाता है। हॉट फ्लैश आमतौर पर चेहरे, गर्दन और छाती में अचानक गर्मी का एहसास कराता है। इससे पसीना आना, त्वचा का लाल होना और दिल की धड़कन तेज होना भी हो सकता है।

40 की उम्र के बाद महिलाओं को ये जरूर पता होना चाहिए कि हॉट फ्लैश और हार्ट अटैक में क्या अंतर है। हॉट फ्लैशेस को दिल के दौरे का लक्षण नहीं माना जाता है। हालांकि दिल से जुड़ी समस्या के दौरान पसीना आना और अचानक गर्मी महसूस होना हो सकता है। महिलाओं में दिल के दौरे के लक्षण अक्सर पुरुषों की तुलना में कम स्पष्ट होते हैं, यही कारण है कि कभी-कभी इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है या मेनोपॉज के लक्षण समझ लिया जाता है।

महिलाओं में दिल के दौरे के लक्षण सीने में दबाव, भारीपन या दर्द, दर्द का जबड़े, कंधे, पीठ या बाहों तक फैलना, सांस लेने में तकलीफ, मतली या उल्टी, बेवजह थकान,पसीना आना, चक्कर आना या बेहोशी, सीने में तेज दर्द के बजाय जकड़न का एहसास आदि हो सकते हैं। हॉट फ्लैश और हार्ट अटैक के फर्क को समझने का सबसे आसान तरीका है कि इसके कारण, अवधि और इससे जुड़ी बेचैनी को ध्यान से देखना और समझना। यदि लक्षण असामान्य, गंभीर या लगातार बने रहें, तो व्यक्ति की तुरंत जांच जरूरी है। मेनोपॉज के संकेत मानकर दिल से जुड़ी आपात स्थिति को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

शरीर के संकेतों को समझें: 40 की उम्र के बाद महिलाओं को अपने शरीर के संकेतों को समझना जरूरी है। हालांकि हॉट फ्लैशेस मेनोपॉज का एक सामान्य लक्षण है, लेकिन लगातार सीने में तकलीफ, सांस फूलना या असामान्य थकान को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शुरुआती दौर में ही इन लक्षणों को पहचान लेने से महिलाओं को समय पर मेडिकल मदद पाने और लंबे समय तक सेहत को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

निशाना

बस मतलब का रिश्ता है..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

बस मतलब का रिश्ता है
ज़ख्म सदा यह रिसता है,
चाहे भर ले जितना तू
आखिर खाली बस्ता है,
बिना पाँव के झूंठ चले
मुश्किल सच का रस्ता है,
वक़्त बुरा कब आ जाये
क्यों किसी पे हँसता है,
आम आदमी जाये कहाँ
दो पाटों में पिसता है,
बाहर से खुशहाल दिखा
अंदर हालत खस्ता है,
शातिर बच ही जाते हैं
सीधा हरदम फँसता है,
जीत का सेहरा उसके सिर
जो मुट्ठी को कसता है,
मुश्किल में आये जो काम
'अमृत' वही फरिश्ता है।

टेक्नो अपडेट

गोल डिश छतरी का जमाना गया, छतों पर अब लगेंगे लैपटॉप जैसे एंटीना

आज इंटरनेट को अंतरिक्ष से आपके फोन तक पहुंचाने के लिए दुनिया में हजारों सैटेलाइट मौजूद हैं लेकिन उन सैटेलाइट्स को धरती से जोड़ने वाला सिस्टम 1970 के दशक के भारी-भरकम, गोल डिश एंटीना पर निर्भर है। ये डिश एंटीना ना सिर्फ महंगे पड़ते हैं, बल्कि एक बार में सिर्फ एक सैटेलाइट को ही ट्रैक कर सकते हैं। इस समस्या को हल करने के लिए सैन डिएगो स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ऐरेलिंक नाम की टेक्नोलॉजी बनाई है, जो कि गोल डिश एंटीना से आगे की तकनीक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह तकनीक इंटरनेट की रफ्तार और सैटेलाइट कनेक्टिविटी को पूरी तरह बदल सकती है।

पृथ्वी के लो-अर्थ-ऑर्बिट में मौजूद सैटेलाइट्स 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते हैं। ऐसे में धरती पर मौजूद डिश एंटीना को उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। इससे कुछ सेकंड या मिनटों के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी भी टूटती है। इस समस्या को दूर करती है ऐरेलिंक टेक्नोलॉजी। इसके लिए किसी डिश नहीं बल्कि एक लैपटॉप जैसे छोटे और फ्लैट डिवाइस को इस्तेमाल किया जाता है। इसे फेज्ड ऐरे कहते हैं। इनकी खासियत है कि यह बिना हिले-डुले रेडियो तरंगों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मोड़कर सैटेलाइट को ट्रैक कर सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि डेटा ट्रांसफर बिना किसी रुकावट के लगातार होता रहता है।

एक बड़ा डिश एंटीना बनाने की जगह वैज्ञानिकों ने छोटे-छोटे 16 एंटीना पैनल्स को एक किलोमीटर के दायरे में अलग-अलग छतों या टावरों पर फैला दिया और उन्हें सॉफ्टवेयर के जरिए आपस मे जोड़ दिया गया। ये अलग-अलग एंटीना एक टीम की तरह काम करते हैं और इनकी ताकत एक बड़े डिश एंटीना जितनी हो जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टेस्ट्स में पाया गया है कि छोटे एंटीना पैनल्स का यह सिस्टम पारंपरिक सिंगल-स्ट्रीम डिश के मुकाबले तीन गुना ज्यादा डेटा स्पीड दे सकता है।

इस तकनीक की सबसे खास बात है कि इन्हें सेटअप करने के लिए किसी तरह के महंगे हार्डवेयर की जरूरत नहीं है। इन्हें किसी भी छत, ऑफिस बिल्डिंग या फिर मौजूदा मोबाइल टावरों पर लगाया जा सकता है। इससे मोबाइल टावर आसानी से सैटेलाइट ग्राउंड स्टेशन में बदल जाएंगे। इसका फायदा सैटेलाइट कंपनियों को भी मिलेगा कि उन्हें अलग से इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा नहीं करना होगा। आने वाले समय में लोगों को किफायती दामों पर हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट और डायरेक्ट-टू-फोन कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

अजब - गजब

विदेशियों को लूटती थी शातिर हसीना, फ्लैट में था तांत्रिक अड्डा!

दुनियाभर में कई ऐसे शातिर अपराधी हैं, जो अपने गलत कामों को छुपाने के लिए अनोखे तरीके खोज निकालते हैं। इन तरीकों का जब खुलासा होता है, तो पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां भी हैरान रह जाती हैं। इनमें से कोई स्मगलिंग का अजीब तरीका अपनाता है, तो कोई हत्या जैसे अंजाम को बड़े ही शातिर अंदाज में हादसा बनाने की कोशिश करता है। कुछ अपराधियों के मन में पकड़े जाने का डर इस कदर हावी होता है कि वे अपने गुनाहों को छिपाने और पुलिस से बचने के लिए अंधविश्वास और काले जादू का सहारा लेने से भी पीछे नहीं हटते। ऐसा ही एक बेहद हैरान करने वाला मामला कोलंबिया के मेडेलिन सिटी में सामने आया है, जहां लग्जरी लाइफ जीने वाली एक खूबसूरत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खूफिया ठिकाने पर जब पुलिस ने छापा मारा, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारियों के भी होश उड़ गए।

मेडेलिन की स्थानीय पुलिस ने एक किराए के फ्लैट में छापेमारी करके वालेंटीना वेलास्केज नामक एक 23 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। वालेंटीना सोशल मीडिया की दुनिया में 'वालेंटीना मोर' के नाम से बेहद मशहूर है। पुलिस के अनुसार, यह हसीना एक ऐसे शातिर आपराधिक गिरोह का हिस्सा है, जो कोलंबिया में आने वाले विदेशी नागरिकों और पर्यटकों को अपना निशाना बनाता है। यह गिरोह बेहद योजनाबद्ध तरीके से अमीर विदेशी पर्यटकों को ढूंढता था, फिर उन्हें अपनी खूबसूरती के जाल में फंसाकर या किसी अन्य बहाने से नशीला पदार्थ दे देता था। जैसे ही शिकार बेहोश या सुध-बुध खो बैठता, ये लोग उसका सारा कीमती सामान समेटकर रफूचक्कर हो जाते थे। पुलिस जब वालेंटीना को गिरफ्तार करने उसके फ्लैट के अंदर दाखिल हुई, तो वहां का माहौल देखकर हर कोई सन्न रह गया।

पुलिस को फ्लैट के एक हिस्से में काले जादू और तांत्रिक क्रियाओं के लिए एक बेहद अजीबोगरीब वेदी मिली। इस वेदी पर 'इस्माइल' नाम के एक तथाकथित बाबा की मूर्ति स्थापित की गई थी। वेनेजुएला के पंथ में 'इस्माइल' को 'हथियारबंद या बंदूकधारी संत' माना जाता है, जो हाथ में बंदूक लिए नजर आते हैं। पुलिस अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि क्या वालेंटीना इन तांत्रिक अनुष्ठानों का उपयोग अपने डकैती के धंधे को पुलिस की नजरों से सुरक्षित रखने और सुरक्षा कवच पाने के लिए कर रही थी। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने फ्लैट से भारी मात्रा में नकदी, महंगे ब्रांडेड चश्मे और पीड़ितों से लूटी गई कई कीमती घड़ियां भी बरामद की हैं। गिरफ्तारी से पहले तक वालेंटीना सोशल मीडिया पर बेहद आलीशान जिंदगी का दिखावा करती थी। वह अक्सर महंगी पार्टियों, विदेशी यात्राओं और पैसों के बंडलों के साथ अपने वीडियो पोस्ट करती रहती थी, जिन्हें अब हटा दिया गया है।

भीषण गर्मी से राहत पाने बेतवा के रिपटा घाट पर उमड़ रही भीड़

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच बेतवा नदी स्थित रिपटा घाट लोगों के लिए राहत का प्रमुख केंद्र बन गया है। इन दिनों सुबह से ही घाट पर स्नान करने वालों की भीड़ देखी जा रही है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में नदी में स्नान कर गर्मी से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही बेतवा नदी के रिपटा घाट पर लोगों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। प्रातःकाल से लेकर दोपहर तक घाट पर स्नानार्थियों की चहल-पहल बनी रहती है। विशेष रूप से अवकाश के दिनों में यहां लोगों की संख्या और अधिक बढ़ जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तेज गर्मी और बढ़ते तापमान के कारण नदी का ठंडा जल उन्हें राहत प्रदान करता है। वहीं बच्चे और युवा नदी में तैराकी का आनंद लेते हुए भी दिखाई देते हैं। हालांकि कई स्थानों पर गहरे पानी में उतरने वाले बच्चों और युवाओं की गतिविधियां चिंता का विषय भी बनी हुई हैं। वहीं लोगों ने गहरे पानी में सावधानी बरतने की सलाह दी है। ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। गर्मी के इस दौर में बेतवा नदी का रिपटा घाट न केवल लोगों को राहत पहुंचा रहा है, बल्कि सुबह और शाम के समय यहां का प्राकृतिक वातावरण भी नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

न्यूज विंडो

भारी वाहन की टक्कर से तीन युवकों की मौत, खंभा तोड़ते हुए भागा वाहन

मंडला। जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पिंडरई रोड स्थित नादिया गांव के पास की है, जहां एक अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार तीन लोगों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जामुन तिराहे के समीप तेज रफ्तार भारी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भागते समय वाहन सड़क किनारे लगे एक बिजली के खंभे को भी क्षतिग्रस्त कर गया। मृतकों की पहचान उमेश सिंगौर (42) पिता चिरौंजी लाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया, भुवन सिंगौर (36) पिता मनीलाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया तथा मुन्ना भांवरें (50) पिता मंगल भांवरें निवासी पेटेगांव के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। महाराजपुर थाना प्रभारी क्रांति कुमार ब्रम्हे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी भारी वाहन द्वारा टक्कर मारने की बात सामने आई है। फरार वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

दबे पांव घर में घुसकर महिला के हाथ-पैर बांधे, फिर की दरिंदगी

सीहोर। जिले के बिलकिसगंज थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। एक युवक ने घर में घुसकर विवाहिता के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी ने पहले महिला को काबू में लेकर उसके हाथ-पैर बांधे और फिर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना का खुलासा होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार घटना 31 मई की देर रात की है। पीड़िता का पति पास के गांव में एक बरात में गया हुआ था। घर में महिला अकेली थी। पति ने लौटने की सुविधा के लिए दरवाजे की केवल कुंडी लगाने को कहा था। रात करीब दो बजे जब महिला सो रही थी, तभी आरोपी खालिद खां दबे पांव घर के भीतर घुस आया। घर में प्रवेश करते ही उसने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और महिला को निशाना बनाया। पीड़िता ने आरोपी का विरोध किया और शोर मचाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने उसे बेरहमी से जमीन पर पटक दिया। इसके बाद महिला के ही स्कार्फ से उसके हाथ-पैर बांध दिए। महिला पूरी तरह असहाय हो गई और आरोपी ने इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के दौरान महिला लगातार छूटने और मदद के लिए संघर्ष करती रही, लेकिन आरोपी ने उसे दबोचे रखा। दुष्कर्म के दौरान ही पीड़िता का पति बरात से वापस घर पहुंच गया और उसने दरवाजा खटखटाया। पति की आवाज सुनते ही आरोपी घबरा गया। जैसे ही दरवाजा खुला, आरोपी ने महिला के पति पर हमला बोल दिया। आरोपी ने उसके साथ जमकर मारपीट की और उसे भी काबू में करने का प्रयास किया।

तेज रफ्तार बस से टकराकर सौ फीट दूर जाकर पलटी कार, चालक की मौत

टीकमगढ़। शहर के सागर बायपास मार्ग पर मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार बस और कार के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत के बाद कार सड़क से करीब 100 फीट दूर मैदान में जाकर पलट गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार सागर की ओर से टीकमगढ़ आ रही ओरछा कंपनी की बस (एमपी 36 पी 1121) और लाल रंग की कार (डीएल 3सीबीवी 2281) के बीच सागर बायपास पर जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक वाहन के अंदर फंस गया। हादसे में कार चालक अजय पुत्र हरदास निवासी छापछौल, उत्तर प्रदेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कार में सवार हरिश्चंद्र पुत्र घनश्याम अहिरवार और अरविंद पुत्र गुमान अहिरवार, दोनों निवासी छापछौल, उत्तर प्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रविभूषण पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण शव को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भ्रामक खबरों का सच आया सामने, लोग बोले-सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए

बिनेका बोरपानी में विकास कार्यों पर ग्रामीणों ने जताई संतुष्टि, वसूलीबाजों पर कार्रवाई की मांग

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिनेका बोरपानी इन दिनों स्थानीय विकास और ग्रामीणों की एकजुटता को लेकर चर्चा में है। पिछले कुछ समय से कतिपय तत्वों और कथित पत्रकारों द्वारा सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से सरपंच और ग्रामीणों के ऊपर भ्रष्टाचार के मनगढ़ंत आरोप लगाते हुए भ्रामक खबरें फैलाई जा रही थीं। अब स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मिलकर इन आरोपों का पूरी तरह से खंडन किया है और प्रशासन से वसूलीबाज व तथाकथित पत्रकारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व सरपंच हनुमत सिंह और ग्रामीण विलास राव ने स्पष्ट किया कि साल 2020 में मंदिर के लिए विधायक निधि से ?2 लाख की राशि स्वीकृत हुई थी। चूंकि यह राशि पूरे निर्माण के लिए कम थी, इसलिए ग्रामवासियों ने आपसी सहमति से बैठक की। ग्रामीणों ने तय किया कि चबूतरे के बजाय मंदिर पर पक्की छत और दीवारों का निर्माण कराया जाए। इसके लिए ग्रामीणों ने स्वयं आगे आकर 3 से 3.5 लाख का अतिरिक्त जनसहयोग (चंदा) इकट्ठा किया। कुल मिलाकर 5 से 5.5 लाख की लागत से मंदिर की नींव, दीवारें और छत का शानदार निर्माण कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि जहां पूरी पारदर्शिता से

जनता के पैसे से काम हुआ हो, वहाँ भ्रष्टाचार का आरोप लगाना पूरी तरह निराधार और गलत है। सरपंच ने कहा,जब यह सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधीन है, तो ग्राम पंचायत इस पर काम क्यों करवाएगी। हम खुद चाहते हैं कि इस सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री योजना के माध्यम से ही उच्च स्तर पर हो। पूर्व में जो खबरें दिखाई गईं, वे पूरी तरह झूठी और तथ्यों से परे थीं। बिनेका बोरपानी के पूर्व उपसरपंच हनुमत सिंह नायक का कहना है कि 2020 में मंदिर निर्माण (शेड) के लिए विधायक निधि से 2 लाख रुपये मिले थे । जोव पूरा मंदिर में लगाया गया, इसके साथ ही जनसहयोग भी निर्माण कार्य किया गया है। मंदिर में छत डाला गया, ऊपर से शिखर बनाई गई, नीचे से दीवार फाउंडेशन सभी हुआ उसी में। और कुछ जनसहयोग भी किया गया लगभग 4 लाख से 5 लाख तक का खर्च मंदिर निर्माण में लगा हैं। ग्राम पंचायत बिनेका के गुलाब सिंह ने बताया कि हम सब गांव वालों का विचार विमर्श होने के बाद सभी के द्वारा जन सहयोग और विधायक निधि को मिलाकर इस मंदिर का निर्माण हुआ हैं । ये गलत खबर प्रकाशित की गई हैं कि शासन से प्राप्त राशि मे किसी तरह की गड़बड़ी की गई हैं।

सड़कों की वास्तविक स्थिति और भ्रामक दुष्प्रचार

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर वर्तमान सरपंच अनिल नंदवंशी ने पूरी स्थिति को साफ किया। उन्होंने बताया कि बिनेका से डोहिरिया तक की जिस 3-4 किलोमीटर लंबी सड़क को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है, उस पर वर्तमान पंचायत द्वारा कोई नया काम नहीं कराया गया है।यह सड़क लगभग 25-30 साल पहले केवल ग्रेवल (मुरम) सड़क के रूप में तैयार हुई थी।इसके बाद करीब 15 साल पहले इसे मुख्यमंत्री सड़क योजना में शामिल किया गया।

वसूलीबाजों और तथाकथित पत्रकारों पर कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत बिनेका बोरपानी के सरपंच, पूर्व सरपंच और समस्त ग्रामीणों ने एक सुर में प्रशासन से गुहार लगाई है कि विकास कार्यों को बाधित करने वाले और भ्रामक खबरें फैलाकर डराने-धमकाने वाले तथाकथित पत्रकारों व वसूलीबाजों की जांच की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की पत्रकारिता से गाँव की छवि धूमिल होती है, इसलिए ऐसे तत्वों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई होना अत्यंत आवश्यक है।

छतरपुर में पारिवारिक विवाद का खौफनाक अंत

पत्नी ने डंडे से पीट-पीटकर की पति की हत्या, खुद पहुंची थाने

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में पारिवारिक विवाद ने एक दर्दनाक और सनसनीखेज मोड़ ले लिया। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित देरी रोड की शिवनगर कॉलोनी में सोमवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी महिला खुद सिविल लाइन थाने पहुंची और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 30 वर्षीय दीनदयाल कुशवाहा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दीनदयाल और उसकी पत्नी के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। घटना के समय दीनदयाल अपनी पत्नी के मायके शिवनगर कॉलोनी आया हुआ था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मृतक का पैतृक घर अनगौर क्षेत्र में है, जबकि उसकी पत्नी का मायका शिवनगर कॉलोनी में स्थित है। बताया जा रहा है कि ससुराल पहुंचे दीनदयाल का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि महिला ने डंडा उठाकर पति पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में दीनदयाल गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद महिला सीधे सिविल लाइन थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि दंपती के दो छोटे बच्चे हैं। पिता की मौत और मां के पुलिस हिरासत में जाने के बाद दोनों बच्चों के सामने गंभीर पारिवारिक संकट खड़ा हो गया है। इस घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। वहीं, वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी का माहौल बना हुआ है। सिविल लाइन थाना पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं।

कुड़ी डैम में मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, हत्या की आशंका से सनसनी; पड़ताल में जुटी पुलिस

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर चौकी के कुड़ी डैम से एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की स्थिति को देखकर प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, जिससे हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को स्थानीय लोगों ने कुड़ी डैम के पास एक महिला का शव पड़े होने की सूचना अमरपुर चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला है। उसके चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे तथा चेहरा रक्तरंजित हालत में था। शव

की स्थिति को देखकर मौके पर मौजूद लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कई ग्रामीणों ने आशंका जताई कि महिला की हत्या कर शव को डैम क्षेत्र में फेंका गया हो सकता है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। घटना की खबर फैलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने उपस्थित लोगों से मृतका की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। मृतका कौन है, वह कहां की रहने वाली है और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई, यह फिलहाल रहस्य बना हुआ है।

पुलिस आसपास के गांवों में गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है। साथ ही शव की पहचान के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह ने बताया कि कुड़ी डैम क्षेत्र से एक महिला का शव बरामद हुआ है। शव की पहचान कराने और मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।फिलहाल कुड़ी डैम में मिले इस रहस्यमय शव ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। अब सभी की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं कि आखिर अज्ञात महिला की मौत हादसा है, आत्महत्या है या फिर इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश छिपी हुई है।

मेट्रो एंकर महाकाल का दरबार: जन्मदिन पर आए बालक लव्यम ने अपनी दादी के स्वास्थ्य की कामना की

बाबा को चांदी का मुकुट-कुंडल चढ़ा गए शिवम

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

जो मांगो सो मिले, महाकाल के दरबार से कभी कोई खाली नहीं जाता - इस कहावत को सच करती एक तस्वीर बुधवार सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर में दिखाई दी। भस्म आरती की अलौकिक बेला में भक्तों ने अपनी पूरी हुई मन्नतों को पूर्ण करते हुए बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, कुंडल और छत्र अर्पित किए। चंडीगढ़ निवासी शिवम अपने पूरे परिवार के साथ महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। उनकी कोई बड़ी मनोकामना बाबा ने पूरी की थी। आभार जताने के लिए वे अपने साथ लगभग 250 ग्राम वजनी चांदी का मुकुट और कुंडल लाए। भस्म आरती के दौरान पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने ये भेंट बाबा के चरणों में रख दी। इससे पहले भी एक अन्य श्रद्धालु ने आरती में चांदी का छत्र और मुकुट चढ़ाया था। मंदिर समिति ने दोनों दानदाताओं को शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया और विधिवत दान की रसीद सौंपी।

नन्हें भक्त ने की बड़ी कामना

सुबह का सबसे मार्मिक पल तब आया जब एक नन्हा भक्त लव्यम अपने जन्मदिन पर बाबा के दर्शन को पहुंचा। केक और गिफ्ट की जगह उसने महाकाल से सिर्फ एक दुआ मांगी कि बाबा, मेरी दादी को हमेशा तंदुरुस्त रखना। उसकी मासूम श्रद्धा देखकर गर्भगृह में मौजूद पुजारी और श्रद्धालु भी भावुक हो उठे।

सबकी मनोकामना पूर्ण करते हैं बाबा महाकाल

महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित अमर शर्मा ने बताया कि ये बाबा महाकाल की महिमा है। लाखों लोग रोज यहां आते हैं, अपनी अर्जी लगाते हैं। बाबा सबकी सुनते हैं। मनोकामना पूरी होने पर भक्त अपनी श्रद्धा अनुसार सोना, चांदी, छत्र या अन्य सामग्री भेंट करते हैं। आज भस्म आरती में चढ़ा ये चांदी का मुकुट उसी अटूट विश्वास की निशानी है।

न्यूज विंडो

ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन

तेन्दूखेड़ा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, दमोह द्वारा 1 मई 2026 से 31 मई 2026 तक आयोजित ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर का आयोजन तेन्दूखेड़ा स्थित श्री पारसनाथ धर्मशाला एवं 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में किया गया, जिसमें 81 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में प्रशिक्षक अनूप सिंह ठाकुर द्वारा बच्चों को कराटे एवं सेल्फ डिफेंस का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने कराटे की विभिन्न तकनीकों एवं आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण कौशलों को सीखा तथा अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस प्रशिक्षण शिविर में समाजसेवी संस्था पुण्योदय शिक्षा एवं जनकल्याण समिति, तेन्दूखेड़ा के अध्यक्ष अमित जैन एलआईसी का विशेष सहयोग रहा। समापन समारोह के अवसर पर संस्था द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भागचंद जैन एवं शिखरचंद जैन पूर्व शिक्षक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में राजेश सिंह ठाकुर ब्लॉक अध्यक्ष, भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा तेन्दूखेड़ा, मुकेश जैन शिक्षक एवं संदीप जैन उपस्थित रहे। वहीं अतिथि के रूप में ब्लॉक समन्वयक शैलेंद्र चौधरी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

अनदेखी से बढ़ रही अव्यवस्था स्टैंड में घंटों खड़ी रहती हैं बसें

शहडोल। जिले के व्यौहारी क्षेत्र में बस संचालन व्यवस्था को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बस स्टैंड के नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कोई भी बस अपने निर्धारित समय से लगभग 15 से 20 मिनट पहले ही बस स्टैंड परिसर में प्रवेश करेगी और यात्रियों को बैठाने के बाद रवाना हो जाएगी। नियमों के अनुसार बसों को लंबे समय तक बस स्टैंड या सड़क किनारे खड़ा रखने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद क्षेत्र में संचालित निजी बस सेवाओं द्वारा नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बसें घंटों तक बस स्टैंड और उसके आसपास की सड़कों पर खड़ी रहती हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और जाम जैसी स्थिति बन रही है। राहगीरों के अनुसार सड़क किनारे खड़ी बसों के कारण आम लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने सवाल उठाया है कि जब बस स्टैंड संचालन के स्पष्ट नियम मौजूद हैं, तो फिर उनका पालन क्यों नहीं कराया जा रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिवस सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन

तेंदूखेड़ा। ग्राम सैलवाडा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं ने सुदामा चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण श्रवण किया। कथा व्यास पंडित कृष्ण कुमार शास्त्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके परम मित्र सुदामा की अमर मित्रता, निष्काम प्रेम और अटूट भक्ति का मार्मिक वर्णन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। अपने प्रवचन में शास्त्री ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा बचपन में उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में साथ-साथ शिक्षा ग्रहण करते थे। गुरुकुल की शिक्षा पूर्ण होने के बाद श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने, जबकि सुदामा अत्यंत साधारण एवं गरीब ब्राह्मण के रूप में जीवन यापन करने लगे। कठिन परिस्थितियों और अभावों के बावजूद सुदामा सदैव भगवान के ध्यान एवं भक्ति में लीन रहे। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि जब अत्यधिक गरीबी के कारण सुदामा के परिवार को अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा, तब उनकी पत्नी के आग्रह पर वे अपने बालसखा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे। फटे-पुराने वस्त्रों में आए सुदामा का नाम सुनते ही द्वारकाधीश श्रीकृष्ण नंगे पैर महल से बाहर दौड़ पड़े और अपने प्रिय मित्र को हृदय से लगा लिया।

सेना के जवान प्रेमनारायण धुर्वे का प्रथम तेंदूखेड़ा नगर आगमन पर स्वागत

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम फुलर निवासी मेघराज पटेल के नाती तथा राजेश धुर्वे के पुत्र प्रेम नारायण धुर्वे का भारतीय सेना अग्निवीर की सफलतापूर्वक ट्रेनिंग पूर्ण करने के पश्चात तेंदूखेड़ा नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया ढोल नगाड़ों के साथ रैली निकाल कर संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति माल्यार्पण किया गया जय आदिवासी युवा शक्ति जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि प्रेम नारायण धुर्वे ने अपने परिश्रम अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर भारतीय सेना में स्थान प्राप्त कर अपने परिवार के साथ क्षेत्र तथा समाज का नाम रोशन किया है शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय बालक छात्रावास देवरी के अधीक्षक वसंत जाटव ने बताया कि प्रेमनारायण धुर्वे एक होनहार छात्र है छात्रावास इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है तथा उनके उज्जवल सैन्य जीवन की कामना करते है इस अवसर दीपक मरावी, अर्पित, गणेश ठाकुर, रेवाराम मेहरा, शिवम ठाकुर, भूपेंद्रसिंह, अजय, संजय, अतुल, शिवराज मरावी, राहुल सिंह बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

भोजशाला में सत्याग्रह :संतों और श्रद्धालुओं ने किया हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ

संतों ने कहा- 750 वर्षों के बाद भोजशाला में मिली विजय, अभी काशी और मथुरा बाकी है

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला में इन दिनों प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां वाग्देवी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंगलवार को नियमित सत्याग्रह में उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अखिल भारतीय संत समिति के संयुक्त महासचिव राधे-राधे बाबा और महामंडलेश्वर नरसिंहदास महाराज के नेतृत्व में देश और मालवा अंचल के संतों का एक बड़ा दल भोजशाला पहुंचा। इस दौरान श्रद्धालुओं और संतों ने मिलकर मां वाग्देवी की विशेष पूजा-अर्चना की और सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। शंखध्वनि और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरी भोजशाला का माहौल भक्तिमय हो उठा।

भोजशाला परिसर में मीडिया से चर्चा करते हुए संत समाज ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया। अखिल भारतीय संत समिति के संयुक्त महासचिव राधे-राधे बाबा ने कहा, मैं पूरे संत समाज की तरफ से माननीय उच्च न्यायालय को बहुत-बहुत साधुवाद और धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने हिंदू भावनाओं और हमारे पूजा के अधिकार का सम्मान करते हुए यह ऐतिहासिक निर्णय दिया है।

संतों ने इस सफलता को करीब 750 वर्षों के लंबे संघर्ष की एक बड़ी विजय बताया। उन्होंने कहा कि भोजशाला मुक्ति समिति, हिंदू जागरण मंच, संघ परिवार, विश्व हिंदू परिषद और धार के आम नागरिकों ने पीढ़ियों से इस कानूनी और सामाजिक लड़ाई को लड़ा है, जिसका परिणाम आज इस दिव्य और भव्य रूप में सामने आ रहा है।

संतों ने अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और संतों के आशीर्वाद से अयोध्या में राम मंदिर बना, ठीक उसी तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में भोजशाला को लेकर बड़ा मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में यहां मां वाग्देवी का भव्य मंदिर बनेगा। संतों ने नारा देते हुए कहा भोजशाला तो अभी झांकी है, काशी और मथुरा बाकी है।

उन्होंने वर्तमान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को शांति व्यवस्था बनाए रखने और पूजा-पाठ में सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। इसके साथ ही, उन्होंने पूर्व पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह और तत्कालीन कलेक्टर की सूझबूझ का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि जब विपक्ष सर्वेक्षण रुकवाने के लिए कोर्ट से स्टे लाने का प्रयास कर रहे थे, तब प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सुबह 6 बजे से ही सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ करवा दिया था। प्रशासन की इसी तत्परता के कारण हिंदू भावनाओं की रक्षा हो सकी। सत्याग्रह के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती सहित कई कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया

संपत्ति के विवाद को लेकर भांजे की मामा-मामी व ममेरे भाइयों ने की हत्या

सागर। दोपहर मेट्रो

मोतीनगर थाना क्षेत्र के रविशंकर वार्ड में संपत्ति के विवाद में एक युवक की उसके सगे रिश्तेदारों ने लोहे की राड से पीट पीट कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी अतुल जड़िया सम्पत्ति विवाद सुलझाने सागर आया था। गत दिवस शाम जब वह अपने पुश्तैनी मकान के पास खड़ा था तभी उसके ही मामा-मामी व 3 ममेरे भाइयों ने लोहे की रॉड व पाईप से हमला कर लहू-लुहान कर दिया। वारदात के समय चीख-पुकार सुनकर जब पड़ोसी बचाने दौड़े तो आरोपियों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी इससे वारदात को रोकने की कोई हिम्मत नहीं कर सका। सूचना मिलते ही मोतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मृतक 40 वर्षीय अतुल जड़िया भोपाल में रहता था और रविशंकर वार्ड स्थित अपने पुश्तैनी मकान के बंटवारे का विवाद सुलझाने सागर आया था। इसी बात को लेकर मामा, मामी व ममेरे भाइयों से विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते आरोपियों ने रॉड से उस पर हमला कर दिया। उसे तब तक पीटा गया, जब तक वह लहूलुहान होकर जमीन पर नहीं गिर गया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि मामला संपत्ति के विवाद से जुड़ा है। पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

अवैध रूप से ऑटो में घरेलू गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग, पुलिस की कई जगह कार्रवाई

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

शिकारपुरा पुलिस ने ऑटो में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों से रिफिलिंग करने वाले आरोपी को रंगे हाथ पकड़ाया। यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों और जन सुरक्षा को देखते हुए की गई। पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने घनी आबादी वाले इलाके में अवैध रूप से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों से पैसेंजर ऑटो में गैस रिफिलिंग करने वालों की पहचान की। पुलिस को सूचना मिली कि नाथगली महाजनापेठ में एक व्यक्ति अपने घर के सामने घरेलू गैस सिलेंडरों से अवैध और खतरनाक तरीके से ऑटो वाहनों में गैस भर रहा है। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो एक व्यक्ति टुल्लू पंप, रबर पाइप और नोजल की मदद से घरेलू गैस सिलेंडर से एक काले रंग के पैसेंजर ऑटो में लापरवाही पूर्वक गैस रिफिल कर रहा था। जिसे पकड़ कर पूछताछ की। अंकित पिता अशोक पंडित निवासी नाथ गली महाजनापेठ से वैध लाइसेंस मांगा गया। कोई दस्तावेज या अनुमति पत्र नहीं मिलने एवं घनी आबादी और रिहायशी इलाका होने के कारण आरोपी का यह कृत्य अत्यंत खतरनाक था। जिससे क्षेत्र में भीषण आग लगने या बड़ा विस्फोट होने से जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। पुलिस ने जन सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ होने के कारण धारा 3/7 के तहत केस दर्ज किया। इस कार्रवाई में टीआइ संदीप चौरसिया, सचिन मिश्रा,शरीफ केदारकर,विजय बडकारे, अमरसिंह शामिल थे।

अवैध शराब तस्करी मामले में सात माह से फरार चल रहे 4 आरोपी गिरफ्तार

16.50 लाख की अवैध शराब एवं वाहन किया जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

थाना सिविल लाइन पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। जानकारी के अनुसार 2 नवंबर 2025 को थाना सिविल लाइन पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि जैसीनगर क्षेत्र से एक स्कॉर्पियो वाहन से अवैध शराब भरकर सागर की ओर लाई जा रही है। पुलिस द्वारा न्यू आरटीओ कार्यालय के आगे घाटी क्षेत्र में वाहन चेकिंग लगाई गई।

चेकिंग के दौरान उक्त स्कॉर्पियो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वाहन में सवार आरोपी पुलिस को देखकर वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 24 पेटी देशी शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 1,48,800 थी। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 15 लाख थी, को भी जप्त किया गया। उक्त मामले में 31 मई 2026 को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण के फरार आरोपी क्षेत्र में देखे गए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक आनंद सिंह ठाकुर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित एवं योजनाबद्ध कार्रवाई कर आरोपी श्रीराम लोधी,गंगा प्रजापति , अंशुल साहू व वीरू उर्फ बीरेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया।

अधिकांश शराब दुकानों पर रेट लिस्ट गायब, उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की अधिकांश शराब दुकानों पर निर्धारित दरों की सूची (रेट लिस्ट) प्रदर्शित नहीं होने को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब दुकानों पर रेट लिस्ट न होने से ग्राहकों को वास्तविक मूल्य की जानकारी नहीं मिल पाती, जिससे मनमाने दाम वसूले जाने की आशंका बनी रहती है। लोगों का सवाल है कि क्या आबकारी विभाग की जिम्मेदारी केवल राजस्व वसूली तक सीमित है, या फिर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना और दुकानों पर नियमों का पालन सुनिश्चित करना भी उसकी जिम्मेदारी है। नागरिकों का कहना है कि यदि सभी दुकानों पर स्पष्ट रूप से रेट लिस्ट प्रदर्शित हो तो ओवररेटिंग जैसी शिकायतों पर काफी हद तक रोक लग सकती है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि आबकारी विभाग जिले की सभी शराब दुकानों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि निर्धारित मूल्य सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित हो। साथ ही यदि कहीं नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मामले को लेकर आम लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि लगातार शिकायतों के बावजूद यदि नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो इसके कारणों की जांच होनी चाहिए।

मेट्रो एंकर विविध संस्थाओं ने किया स्वागत-वन्दन

रतलाम में महामण्डलेश्वर ने कहा-आज बड़ी विडम्बना समाधान को नजरअंदाज करना

रतलाम। दोपहर मेट्रो

महामण्डलेश्वर स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती ने कहा है कि आज सम्पूर्ण विश्व विविध समस्याओं से आक्रांत है, भारतीय सनातन दर्शन विश्व का दिग्दर्शन करता आया है, लेकिन सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि आज समस्या को अत्यधिक महत्व दिया जाता है और समाधान को नजरअंदाज किया जाता है, जिससे समस्या विकराल स्वरूप में नजर आती है, नहीं तो सनातन धर्म शास्त्र में दुनिया की प्रत्येक समस्या का समाधान उपलब्ध है। सनातन धर्म और शास्त्र सम्मत आचरण भयाक्रांत विश्व को नंदनवन बना सकता है । हरिहर सेवा समिति मोहनलाल भट्ट परिवार एवं कालिका माता सेवा मंडल ट्रस्ट द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर पूज्य स्वामीजी के पावन सानिध्य में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का श्रीगणेश मंगलवार से दयाल वाटिका सैलाना रोड पर हुआ । कथा के प्रथम सत्र में आयोजक परिवार के मोहनलाल भट्ट, महेंद्र भट्ट, सुनील भट्ट आदि ने पोथी पूजन किया ।

यहां स्वामी का कलिका माता सेवा मंडल ट्रस्ट, हरिहर सेवा समिति, मेहंदी कुई बालाजी मन्दिर समिति, प्रभु प्रेमी संघ, गुप्तेश्वर आश्रम, लालजी महाराज मन्दिर, महिला मंडल एवं सनातन ग्रुप परिवार की ओर से स्वागत-वन्दन किया गया। राजाराम मोतियानी, जयेश झालानी, हरीश सुरोलिया, बाबूलाल चौधरी, डॉ. एससी खंडेलवाल, डॉ.पी जागोतिया, संजय दवे, विजय शर्मा, जगदीश राव आदि ने स्वागत किया। स्वागत भाषण सुनील भट्ट ने देते हुए 15 वर्षों की कथा महोत्सव की गौरवशाली परम्परा पर प्रकाश डाला।

कार्यालय प्राचार्य, सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

(शासन द्वारा स्वशासी घोषित)

फोन नं. 0755-2660056 ई-मेल: polybpl@svp.nic.in

क्रमांक/स.व.पॉ./स्टोर/2026/955 भोपाल, दिनांक: 29.05.2026

कैंटीन संचालन हेतु निविदा प्रपत्र

निविदा मूल्य:	रुपये 500/- (बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे) (Non Refundable)
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि:	दिनांक 30/06/26 शाम 5.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 06/07/26 अपरान्ह 12.00 बजे
स्थान:-	महाविद्यालय का सभाकक्ष

सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) में कैंटीन संचालन हेतु पंजीकृत संस्था/फर्म से वर्ष 2026-27 के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है। निविदा हेतु आवेदन पत्र, निविदा की शर्तें सामान्य दिशा-निर्देश महाविद्यालय के कार्यालय से प्रातः 10.30 से सायं 5.00 बजे तक प्राप्त कर सकते है। बैंक ड्राफ्ट-प्राचार्य सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के नाम से होना चाहिए।

जी-13769/26

प्राचार्य
सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, श्यामला हिल्स, भोपाल (म. प्र.)

आईपीएल 2026 के सबसे बड़े सितारे

चोपड़ा ने चुनी सीजन की बेस्ट प्लेइंग परफॉर्मेंस वैभव बने नं.-1 ओपनर

केएल राहुल की विस्फोटक पारी को बताया सीजन की सर्वश्रेष्ठ इनिंग

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का सीजन कई यादगार मुकाबलों और शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शनों का गवाह बना। टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों से लेकर अनुभवी सितारों तक ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीता। सीजन समाप्त होने के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने उन खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आकाश चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में सीजन की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी पारी के रूप में केएल राहुल की ऐतिहासिक पारी को चुना। राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 गेंदों में नाबाद 152 रन बनाए थे। इस तूफानी पारी में उन्होंने 16 चौके और 9 छक्के जड़े थे। उनकी बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 264 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टीम के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी साबित हुआ।

आकाश चोपड़ा ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ ओपनर के रूप में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लिया। मात्र 15 वर्ष की उम्र में वैभव ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने सभी क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 237 का रहा। वैभव ने पूरे सीजन में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने 72 छक्के लगाकर एक आईपीएल सीजन में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान उन्होंने क्रिस गेल के 59 छक्कों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके अलावा वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने और एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

मिडिल ऑर्डर में छाए हेनरिक क्लासेन

मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजों की बात करें तो आकाश चोपड़ा ने हेनरिक क्लासेन को सीजन का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माना। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए क्लासेन ने 15 मैचों में 624 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 160 रहा और वह पूरे टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल रहे। क्लासेन ने कई मौकों पर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालते हुए मैच जिताऊ पारियां खेलीं। आकाश चोपड़ा ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर के रूप में डोनोवन फरेरा का चयन किया। फरेरा ने अंतिम ओवरों में लगातार तेज रन बनाकर अपनी टीम को कई अहम मुकाबलों में मजबूत स्थिति दिलाई।

प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

नॉर्वे शतरंज में कार्लसन को दूसरी बार हराया

ओस्लो। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नॉर्वे चेस 2026 में एक और यादगार उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने मेजबान देश के स्टार खिलाड़ी और विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में हराकर इतिहास रच दिया। यह इस टूर्नामेंट में कार्लसन के खिलाफ उनकी दूसरी क्लासिकल जीत रही। इस उपलब्धि के साथ प्रज्ञानंद एक ही नॉर्वे चेस संस्करण में कार्लसन को दो बार क्लासिकल प्रारूप में हराने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। साथ ही, वह इस वर्ष विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को क्लासिकल मुकाबलों में दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। मुकाबला समाप्त होने के बाद कार्लसन के चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। उन्होंने प्रज्ञानंद से हाथ मिलाया, सिर हिलाते हुए अपनी हताशा जाहिर की और कुछ ही देर बाद खेल क्षेत्र से बाहर चले गए।

खिताब की दौड़ हुई रोमांचक| इस जीत के साथ 20 वर्षीय प्रज्ञानंद 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और टूर्नामेंट जीतने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। दूसरी ओर, कार्लसन का अभियान इस बार उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्हें अब तक चार क्लासिकल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें दो हार प्रज्ञानंद के खिलाफ आई हैं। टूर्नामेंट में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 14 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर को आर्मागेडन टाईब्रेक में हराकर अपनी बढ़त मजबूत की। वहीं फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को क्लासिकल मुकाबले में हराकर 13 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

गुकेश की उम्मीदों को झटका

विश्व चैंपियन डी. गुकेश को इस टूर्नामेंट में तीसरी क्लासिकल हार झेलनी पड़ी। आठ अंकों पर मौजूद गुकेश के लिए अब खिताब जीतना लगभग असंभव हो गया है। यदि वह अपने बचे हुए दोनों क्लासिकल मुकाबले जीत भी लेते हैं, तब भी उनके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे। टूर्नामेंट में अब केवल दो दौर बाकी हैं और प्रज्ञानंद का सपना पूरी तरह जीवित है। कार्लसन को उनके घरेलू मैदान पर दो बार हराकर भारतीय युवा सितारे ने यह साबित कर दिया है कि वह विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर किसी भी खिलाड़ी को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं। आने वाले मुकाबले न केवल खिताब का फैसला करेंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि क्या प्रज्ञानंद नॉर्वे चेस जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं।

आईपीएल 2026, करोड़ों का हुआ था करार, लेकिन....

मौजूदा सीजन में बुरी तरह फेल रहे पांच खिलाड़ी, तीन हैं भारतीय भी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में कई युवा और कुछ अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन लाजवाब रहा। हालांकि, कुछ नाम ऐसे भी रहे, जिन्हें खरीदने या टीम में बनाए रखने के लिए फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन मौजूदा सीजन में बेहद निराशाजनक रहा। इस लिस्ट में तीन भारतीय भी शामिल हैं जिसमें से दो टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे थे। आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के नाम आपको बताते हैं..

कैमरन ग्रीनः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कैमरन ग्रीन को खरीदने के लिए नीलामी में 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन ने अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया। बल्लेबाजी में वह 14 मुकाबलों में 145 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 322 रन ही बना सके और पूरे सीजन में उनके बल्ले से महज दो अर्धशतक निकले। शुरुआती मुकाबलों में ग्रीन चोट से उबर रहे थे जिस कारण उन्होंने गेंदबाजी नहीं की और बाद में भी वह गेंद से कोई खास असर नहीं डाल सके।

ऋषभ पंतः आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत जिन्हें लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, उनका प्रदर्शन भी आईपीएल 2026 में भी निराशाजनक रहा। पंत ने 14 मुकाबलों में 138 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 312 रन बनाए। पंत पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके। बल्ले से पंत की नाकामी एलएसजी को इस सीजन भी काफी भारी पड़ी। इसका असर पंत पर भी पड़ा और उन्होंने लखनऊ का सफर समाप्त होते ही कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, जिसे लखनऊ टीम प्रबंधन ने स्वीकार भी कर लिया था।

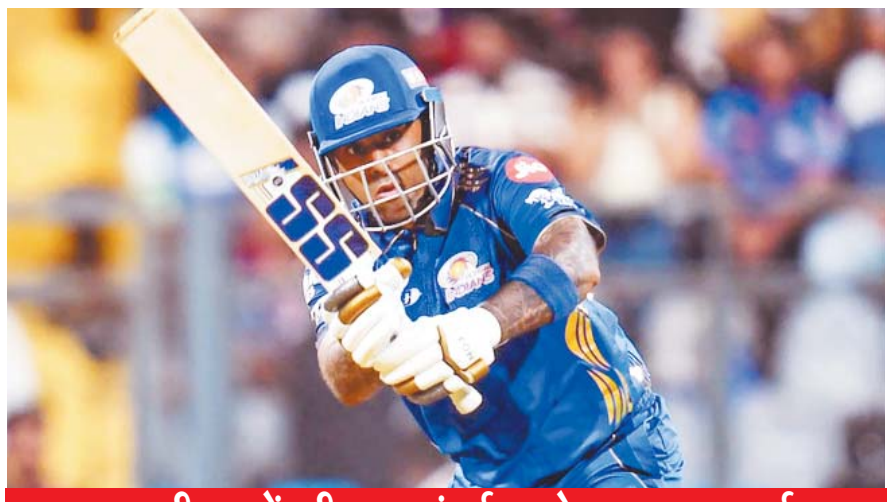

इस सीजन में बुरी तरह संघर्ष करते नजर आए सूर्या

सूर्यकुमार यादव| मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव को रिटेन करने के लिए 16.35 करोड़ रुपये खर्च किए थे। आईपीएल 2026 से ठीक पहले सूर्यकुमार की कप्तानी में ही भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब बचाया था। हालांकि, सूर्यकुमार इस सीजन रनों के लिए बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए। सूर्यकुमार 13 पारियों में 147 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 270 रन ही बना सके। उन्होंने इस सीजन दो अर्धशतक लगाए। सूर्यकुमार का बल्ले से फेल होना मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन की बड़ी वजह रहा।

निकोलस पूरनः आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने निकोलस पूरन को 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। हालांकि, पूरन इस सीजन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। उन्होंने 14 मुकाबलों में 127 के मामूली स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 234 रन बनाए। पूरन बहुत मुश्किल इस सीजन में महज एक ही अर्धशतक लगा सके।

हार्दिक पांड्याः मुंबई इंडियंस के कप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे हार्दिक पांड्या के लिए यह सीजन किसी बुरे सपने की तरह रहा। 10 मुकाबलों में हार्दिक 138 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 206 रन ही बना सके और उनके बल्ले से एक अर्धशतक तक नहीं आया। वहीं, गेंदबाजी में वह सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके। हार्दिक इस दौरान चोट के कारण कुछ मैच से बाहर रहे।

टीम इंडिया में हुई आकिब नबी की एंट्री, ट्रोल होने के बाद बीसीआई का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से मुल्लांपुर में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी भारतीय टीम के कैम्प से जुड़ गए हैं। हालांकि उन्हें अभी आधिकारिक टेस्ट स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक वह बैकअप खिलाड़ी के रूप में शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं।

आकिब नबी का टीम इंडिया कैम्प में शामिल होना इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि टेस्ट टीम के ऐलान के समय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सेलेक्शन कमेटी को उनके नाम को लेकर ट्रोल होना पड़ा था। अजीत अगरकर की अगुआई वाली सेलेक्शन कमेटी ने जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने के बाद आकिब की जगह गुरनूर बरार को मौका दिया था। इसके बाद कई क्रिकेट विशेषज्ञों और फैन्स ने नबी को नजरअंदाज किए जाने पर सवाल उठाए थे। अब टीम इंडिया कैम्प में उनकी एंट्री को भविष्य की योजनाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। भले ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में उनका खेलना तय नहीं है, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन उनकी प्रगति पर करीबी नजर बनाए हुए है। श्रीलंका दौरे के लिए उनकी दावेदारी फिलहाल कमजोर मानी जा रही है, लेकिन अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरे पर तेज गेंदबाजों के लिए मददगार परिस्थितियों को देखते हुए वह चयनकर्ताओं के रडार पर हो सकते हैं। आकिब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई और टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। नबी ने 10 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 60 विकेट चटकाए।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

टीवी इंडस्ट्री की कास्टिंग प्रक्रिया पर आंचल खुराना ने उठाए सवाल, बोलीं- खतरे में भविष्य

अभिनेत्री आंचल खुराना ने टेलीविजन इंडस्ट्री में चल रही कास्टिंग प्रक्रिया और कलाकारों को मिलने वाले पारिश्रमिक को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उनका मानना है कि गलत कास्टिंग और प्रतिभाशाली कलाकारों की अनदेखी के कारण टीवी इंडस्ट्री को भविष्य में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

आंचल ने कहा कि आजकल निर्माता और कास्टिंग टीम कम बजट में काम करने वाले कलाकारों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके अनुसार, नए कलाकार कम पैसों में काम करने को तैयार हो जाते हैं, जबकि स्थापित कलाकारों की फीस अधिक होती है। ऐसे में उन कलाकारों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है जिन्होंने सालों की मेहनत से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन वे बहुत बड़े स्टार भी नहीं हैं।

आंचल का कहना है कि कई बार शो में केवल एक-दो अनुभवी कलाकारों को लिया जाता है और बाकी भूमिकाओं के लिए ऐसे लोगों को चुन लिया जाता है जिन्हें अभिनय का ज्यादा अनुभव नहीं होता। उनका मानना है कि केवल लोकप्रियता, सोशल मीडिया फॉलोअर्स या आकर्षक व्यक्तित्व के आधार पर कलाकारों का चयन किया जा रहा है, जबकि अभिनय क्षमता को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा अभिनेता दर्शकों से बेहतर जुड़ाव बना सकता है और शो की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

पहले की तरह टीवी शो नहीं कर रहे प्रदर्शन

15 सालों से अधिक समय से इंडस्ट्री में सक्रिय आंचल ने बताया कि उन्हें आज भी कई प्रोजेक्ट्स के लिए प्रतिदिन केवल 5 हजार से 7 हजार रुपए तक का भुगतान ऑफर किया जाता है। उनके अनुसार, यह राशि उनके अनुभव और उपलब्धियों के मुकाबले बेहद कम है। उन्होंने इसे निराशाजनक और अपमानजनक बताया। आंचल ने यह भी कहा कि टीवी शो पहले की तरह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। उनका मानना है कि केवल कुछ वरिष्ठ कलाकार किसी शो को लंबे समय तक नहीं बचा सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि कास्टिंग के दौरान अनुभवी कलाकारों के ऑडिशन चैनलों तक जरूर पहुंचाए जाने चाहिए ताकि प्रतिभा को उचित अवसर मिल सके।

संघर्ष से सफलता तक: अदिति सिंह शर्मा ने अपनी आवाज से बनाई बॉलीवुड में अलग पहचान

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर पार्श्व गायिका अदिति सिंह शर्मा आज भारतीय संगीत जगत का जाना-पहचाना नाम हैं। अपनी दमदार और अलग पहचान वाली आवाज के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है। हालांकि, उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष, धैर्य और लगातार की गई मेहनत छिपी हुई है।

नई दिल्ली में जन्मी अदिति को बचपन से ही संगीत में गहरी रुचि थी। पढ़ाई के दौरान भी उनका झुकाव संगीत की ओर बना रहा। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अपने सपनों को साकार करने का निर्णय लिया और मायानगरी मुंबई का रुख किया। लेकिन उस समय बॉलीवुड संगीत जगत में कई स्थापित गायकों का दबदबा था, ऐसे में नए कलाकार के लिए अपनी जगह बनाना आसान नहीं था।मुंबई में शुरुआती दिनों में अदिति ने कई डेमो रिकॉर्ड किए, संगीतकारों और निर्माताओं से मुलाकात की तथा छोटे-बड़े अवसरों की तलाश में लगातार प्रयास करती रहीं। कई बार उन्हें निराशा का सामना भी करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अपनी मेहनत जारी रखी। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया जब निर्देशक अनुराग कश्यप की फिल्म 'देव.डी' में उन्हें गाने का अवसर मिला। फिल्म का गीत 'यही मेरी जिंदगी' उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस गीत ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और संगीत जगत का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। खास बात यह रही कि अपने पहले चर्चित गीत के लिए उन्हें सम्मान भी प्राप्त हुआ। इसके बाद अदिति ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'नो वन किल्ड जेसिका' के 'दिल्ली-दिल्ली', 'एजेंट विनोद', 'हीरोइन', 'धूम 3' और '2 स्टेट्स' जैसी फिल्मों में कई लोकप्रिय गीत गाए।

मेट्रो बाजार

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के पंजीकरण में इस साल मई में बढ़ोतरी देखी गई है। इसकी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण ईंधन की कीमतों में इजाफा होने के चलते लोगों का इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर शिफ्ट होना है। यह जानकारी नोमुरा और एचएसबीसी की ओर से जारी रिपोर्ट्स में दी गई।

नोमुरा के अनुसार, मई में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री यात्री वाहनों की कुल बिक्री का 6.4 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2026 में यह 4 प्रतिशत थी। वहीं, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 8.9 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष के लगभग 6.5 प्रतिशत से अधिक है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा, यह दिखाता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसी तरह, एचएसबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया, ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के कारण ग्राहकों की इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की ओर रुझान बढ़ा है।

ब्रोकरेज फर्म ने मई में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 9.3 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की कुल हिस्सेदारी 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

कार निर्माताओं में, इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती मांग के कारण टाटा मोटर्स को सबसे अधिक लाभ हुआ है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि पिछले दो महीनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बुकिंग में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। नोमुरा के अनुसार, टाटा मोटर्स को 15 लाख रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में विशेष रूप से मजबूत मांग दिख रही है और कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों की उत्पादन क्षमता को 10,000 यूनिट प्रति माह से बढ़ाकर 15,000 यूनिट करने की योजना बना रही है।

आरबीआई जून एमपीसी में रेपो रेट को रख सकता है स्थिर, आउटलुक और आक्रामक होने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाली जून मौद्रिक नीति कमेटी (एमसीसी) में रेपो रेट को स्थिर रख सकता है। वहीं, कमजोर रुपया और कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई में इजाफा होने की संभावना के चलते आउटलुक और अधिक आक्रामक होने की उम्मीद है। यह बयान एचएसबीसी में एक अर्थशास्त्री की ओर से दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट और मैक्रो स्ट्रैटजिस्ट प्रांजुल भंडारी का कहा कि इस मौद्रिक नीति में आरबीआई का महंगाई और अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर आने वाला अनुमान बताएगा कि नीति निर्माता कैसे इस ऊर्जा संकट को देख रहे हैं।

पिछले रिव्यू में केंद्रीय बैंक ने तेल की आधारभूत कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और वैकल्पिक परिदृश्य के रूप में 95 डॉलर का उपयोग किया था। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री का मानना ??है कि तेल की ऊंची कीमतों का अनुमान अब आरबीआई का आधार होगा, जिससे महंगाई का अनुमान पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से बढ़कर 5 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा।

भंडारी ने कहा, ÷महंगाई बढ़ रही है, जो ब्याज दरों में वृद्धि का समर्थन करती है, जबकि विकास धीमा हो रहा है, जो ब्याज दरों में वृद्धि के खिलाफ तर्क देता है।÷ उन्होंने इसे ÷किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन स्थिति÷ भी बताया।उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की ऊंची कीमतें और संभावित अल नीनो डेवलपमेंट, महंगाई नियंत्रण, राजकोषीय घाटे और चालू खाते के लिए बाधा बन सकते हैं। केयरएज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान और हाल ही में खुदरा ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं।

12,778 फीट की ऊंचाई पर स्थित है मार्ग

बर्फ कम होते ही दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर में पहुंचने लगे श्रद्धालु

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर (युल्ला कांडा) का ट्रैक बर्फ पिघलते ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। रोरा घाटी में 12,778 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह दुर्गम मार्ग भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद रहता है। श्रद्धालु युल्ला खास गांव से 12 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई पूरी कर यहां पहुंचते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्राचीन मंदिर और झील का निर्माण पांडवों ने वनवास के दौरान किया था। यहां की सबसे बड़ी खासियत 'किन्नौरी टोपी' से जुड़ी परंपरा है। माना जाता है कि यदि श्रद्धालु झील में अपनी टोपी उल्टी कर तैराता है और वह बिना डूबे दूसरे किनारे पहुंच जाती है, तो उसकी मन्नत पूरी होती है।

यह स्थान हिंदू और बौद्ध धर्म की आस्था का संगम भी है, जहां लामा भी विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर परिसर से पवित्र किन्नर कैलाश की पहाड़ियों के स्पष्ट दर्शन होते हैं। हर साल जन्माष्टमी पर यहां ऐतिहासिक मेला भी लगता है। प्रशासन ने आगाह किया है कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी और संकरे रास्तों के कारण यह ट्रैक जोखिम भरा है, इसलिए यात्री पूरी सावधानी के साथ ही यात्रा शुरू करें।

न्यूज विंडो

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति आज पहुंच रही भारत

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत के पांच दिवसीय दौरे पर रहेंगी। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के बाद दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने की कोशिशें जारी हैं। अमेरिका द्वारा 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बाद रोड्रिगेज को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने रोड्रिगेज को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में संबोधित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि रोड्रिगेज पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाली थीं, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के बाद वह कार्यकारी दौरे पर भारत आ रही हैं। इस यात्रा के दौरान डेल्सी रोड्रिगेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। दोनों पक्ष ऊर्जा, व्यापार, निवेश, फार्मास्युटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात: सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर यहूदी

यरूशलम। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरूशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। इस्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 17 आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में पिछले सप्ताह एक शटल ट्रेन पर हुए बम हमले में शामिल 17 आतंकियों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। बता दें कि 24 मई को क्वेटा के एक स्टेशन के पास शटल ट्रेन पर हुए संदिग्ध आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 16 लोग मारे गए थे और कई घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना के अंतर-सेवा जनसंपर्क के अनुसार, घटना के बाद, सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के विभिन्न जिलों में कई खुफिया-आधारित अभियान चलाए, जिनमें 17 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर के बयान के अनुसार, सुरक्षा बलों ने मस्तुंग, नुश्की, ज़हरी, खुज़दार और केच में चलाए गए अभियानों के दौरान कई आतंकवादी ठिकानों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। इसमें कहा गया है कि फ़ितना-अल-हिंदोस्तान से जुड़े आतंकवादियों के साथ भीषण गोलीबारी में उनमें से 17 मारे गए। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से हथियार, गोला-बारूद, भारी मात्रा में विस्फोटक और तैयार किए गए तात्कालिक विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। मारे गए आतंकवादी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। आईएसपीआर ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बचे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

तमिलनाडु में बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को मनाने की कोशिशें जारी

अन्नामलाई के इस्तीफे से हिली भाजपा, एयरपोर्ट से वापस बुलाया

चेन्नई/नई दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने के फैसले ने भाजपा को झकझोर दिया है। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने उनके इस इस्तीफे पर अंतिम फैसला लेने के लिए कुछ समय मांगा है और उन्हें मनाने की कोशिशें की जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, अन्नामलाई ने मंगलवार सुबह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से मुलाकात की। इसके बाद दोपहर में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक अलग बैठक की। आपको बता दें कि बीएल संतोष को राजनीति में अन्नामलाई का गुरु माना जाता है।

पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ हुई बैठकों में अन्नामलाई ने बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में बीजेपी छोड़ने की इच्छा जताई। हालांकि, उन्होंने यह विकल्प भी खुला रखा है कि अगर भविष्य में कभी जरूरत पड़ी तो वह पार्टी के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार रहेंगे।

इस घटनाक्रम से वाकिफ पार्टी नेताओं ने बताया कि अन्नामलाई जब दिल्ली एयरपोर्ट से चेन्नई के लिए रवाना होने वाले थे, तब केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें फोन करके वापस चर्चा के लिए बुलाया। बीजेपी आलाकमान चाहता है कि अन्नामलाई पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। संगठन में कड़े अनुशासन के लिए जानी जाने वाली बीजेपी अगर उन्हें रोकने में कामयाब होती है तो यह पार्टी के इतिहास में एक असामान्य कदम होगा।

इसलिए छोड़ना चाहते हैं बीजेपी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अन्नामलाई बीजेपी छोड़ने का पूरा मन बना चुके हैं और उनका यह दिल्ली दौरा केवल पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए था। अन्नामलाई ने बीजेपी आलाकमान के सामने दो शर्तें रखी थीं। पहला यह कि या तो उन्हें कम से कम सात साल के लिए पूर्ण स्वायत्तता और अधिकार के साथ फिर से तमिलनाडु बीजेपी का अध्यक्ष बनाया जाए या फिर उन्हें अपनी एक अलग राजनीतिक राह चुनने की अनुमति दी जाए।

नई पार्टी बनाने की तैयारी

सूत्रों का कहना है कि अन्नामलाई तमिलनाडु में एक नई पार्टी लॉन्च करने पर विचार कर रहे हैं। राज्य के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए उन्हें इसमें बड़ी संभावनाएं नजर आ रही हैं। हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में राज्य की दो बड़ी द्रविड़ पार्टियों डीएमके और अन्नाद्रमुक को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इन चुनावों में सुपरस्टार से राजनेता बने थलपति विजय की नई पार्टी टीवीके ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाई है। विजय की सरकार को कांग्रेस सहित कई छोटी पार्टियों ने समर्थन दिया है, जिन्होंने चुनाव के बाद द्रमुक से अपना गठबंधन तोड़ लिया था। अन्नामलाई का मानना है कि तमिलनाडु के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में किसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए बहुत बड़ा स्कोप नहीं है। इसलिए, विभिन्न वर्गों की चिंताओं को दूर करने वाली एक नई क्षेत्रीय पार्टी ही राज्य में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर सकती है। आपको बता दें कि वर्ष 2021 से 2025 तक तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के रूप में अन्नामलाई के कार्यकाल के दौरान राज्य में बीजेपी की विजिबिलिटी काफी बढ़ी थी। बीजेपी के केंद्रीय नेता भी राज्य में उनके उत्साह, कड़ी मेहनत और दमदार आवाज के कायल रहे हैं। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जहां भगवा पार्टी लंबे समय से अपनी जमीन तलाशने के लिए संघर्ष कर रही है।

मानसून की आहट: तमिलनाडु में जमकर बरसेंगे बादल, दिल्ली में भी येलो अलर्ट जारी

चेन्नई/नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून 4 जून को केरल में दस्तक दे सकता है। इसके साथ ही देश में चार महीने लंबे मानसून सीजन की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी। मानसून की प्रगति के साथ दक्षिण भारत से लेकर उत्तर भारत तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

तटीय इलाकों में अच्छी बारिश होने की संभावना

आईएमडी के मुताबिक केरल और कर्नाटक के तटीय इलाकों में पहले से ही अच्छी बारिश हो रही है। वहीं तमिलनाडु के दक्षिण-पश्चिमी जिलों में अगले कुछ दिनों तक भारी वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कोयंबटूर, तिरुनेल्वेली, कन्याकुमारी और इरोड समेत 15 जिलों में 7 जून तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। केरल के दक्षिणी हिस्सों में भी 5 जून तक मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। यहां ऑरेंज अलर्ट लागू है और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

अमेरिकी कूटनीति का प्रमुख हिस्सा बने दुर्लभ खनिज

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका!

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति के सामने गवाही देते हुए रूबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण खनिजों को अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है, बल्कि रणनीतिक संसाधनों तक भी फैल चुकी है। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा है।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया।

हरिद्वार में 'ऑपरेशन कालनेमी' के तहत एक्शन पुलिस ने 40 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया

हरिद्वार। उत्तराखंड में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कालनेमी' के तहत हरिद्वार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साधु-संत का वेश धारण कर लोगों के बीच घूम रहे 40 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि ये लोग धार्मिक पहचान छिपाकर भगवा वस्त्र पहनकर और कंठी-माला धारण कर श्रद्धालुओं से दान-दक्षिणा ले रहे थे तथा उनकी धार्मिक आस्था का फायदा उठा रहे थे। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देश पर पुलिस ने कलियर शरीफ और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया।

अभियान के दौरान साधु-संत के वेश में घूम रहे कई लोगों के पहचान पत्र और दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में 40 लोग संदिग्ध पाए गए, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में अकबर, सलमान, नजीर, वसीम, आमिर और महताब जैसे नाम शामिल हैं। इनमें से कुछ लोग पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों से हरिद्वार पहुंचे थे।

मेट्रो एंकर

पाक की इंटरनेशनल फजीहत... अप्रैल में पाकिस्तानी राजदूत ने मस्जिद का किया था उद्घाटन

जापान में पाकिस्तानियों ने बगैर परमिशन के बनाई मस्जिद, अब चलेगा बुलडोजर

टोक्यो/इस्लामाबाद, एजेंसी

जापान के कावागोए शहर में बनी एक मस्जिद ने पाकिस्तानी समुदाय के लोगों को शर्मिंदगी में डाल दिया है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तानी राजदूत अब्दुल हमीद ने इस मस्जिद का उद्घाटन किया था। लेकिन अब इसपर गिराए जाने का पर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मस्जिद को गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था।

कावागोए सिटी हॉल ने साफ किया कि मस्जिद को प्रशासन की बिना अनुमति के बनाया गया है। मस्जिद निर्माण के लिए नगर नियोजन अधिनियम के तहत विशेष परमिट जरूरी होता है, जो नहीं लिया गया। जिसके बाद शहर प्रशासन को मस्जिद को हटाने के अनुरोध मिले हैं, जिसपर चर्चा चल रहा है।

पाक दूतावास की सफाई

इस घटना ने पाकिस्तानी दूतावास को भी मुश्किल स्थिति में डाल दिया। विवाद बढ़ने पर दूतावास ने तुरंत खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। 1 जून को जारी बयान में दूतावास ने कहा कि जापानी कानूनों का उल्लंघन करने वाली किसी भी परियोजना से उसका कोई संबंध नहीं है। दूतावास ने पाकिस्तानी समुदाय से जापानी नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

दूतावास ने विवाद पर दी सफाई

साथ ही पाक दूतावास ने राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने पर भी सफाई दी है। बयान के अनुसार, राजदूत अब्दुल हमीद 3 अप्रैल को कार्यक्रम में तब गए जब उन्हें आश्वासन दिया गया था कि सभी कानूनी मंजूरियां ली जा चुकी हैं। दूतावास ने जोर देकर कहा कि वह ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करता जो स्थानीय कानूनों का पालन न करे।'

जापान में कंस्ट्रक्शन नियम

जापान में कंस्ट्रक्शन को लेकर सख्त नियम हैं, यहां किसी भी धार्मिक इमारत के लिए स्थानीय सरकार की अनुमति अनिवार्य है। पाकिस्तान इस मामले में कूटनीतिक रूप से बैकफुट पर आ गया है। राजदूत के उद्घाटन में शामिल होने से इंटरनेशनल लेवल पर पाक की किरकिरी हो रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564